हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 6 जुलाई, 2025

तापमान
अधिकतम 35 .5 डिग्री
न्यूनतम 24 .5 डिग्री

11 गांव मामनपुरा में विधायक ने किया निर्माण कार्य का शुभारंभ

12 आमटी झील बहा रही बदहाली पर आंसू

खबर संक्षेप

गुजवि ने विभिन्न विषयों का परिणाम घोषित किया

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि दिसम्बर 2024 में आयोजित एमएससी फिजिक्स ग्रुप-ए व ग्रुप-बी तृतीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2023, इंटेग्रेटिड बीएससी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च) इन कंप्यूटर साइंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस) द्वितीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2023, बीएससी ऑनर्स इकोनोमिक्स छठा सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2021, बीएससी ऑनर्स-कंप्यूटर डेटा साइंस-063 छठा सेमेस्टर (मेन) बैच 2022 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

देसी शराब की 12 बोतलों के साथ एक गिरफ्तार

हांसी। थाना शहर हांसी पुलिस ने देसी शराब की 12 बोतल के साथ जगदीश कालोनी निवासी रमेश को गिरफ्तार किया है। थाना शहर हांसी में तैनात एएसआई मुकेश मिठरवाल ने बताया कि गश्त पड़ताल दौरान विश्वकर्मा चौक खड़े एक व्यक्ति की तलाशी ली गई तो उसके पास देसी शराब की 12 बोतल बरामद हुई।

मोबाइल फोन चोरी के मामले में एक पकड़ा

हिसार। नई सब्जी मंडी चौकी पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी के मामले में तलवंडी राणा निवासी राहुल उर्फ नन्हे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरीशुदा मोबाइल फोन भी बरामद किया है। मुख्य सिपाही नरेश कुमार ने बताया कि गत 2 जून को टिब्बा दानाशेर निवासी अजय ने नई सब्जी मंडी चौकी में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसके घर से मोबाइल फोन चोरी हो गया है।शिकायत की जांच करते हुए पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया और चोरी किया गया फोन बरामद किया।

ओमप्रकाश प्रधान और महाबीर बने सचिव

बरवाला। अखिल भारतीय किसान सभा की ढाणी खान बहादुर में मीटिंग हुई, जिसकी अध्यक्षता मास्टर देश राज वर्मा ने की। इस मीटिंग में ढाणी खान बहादुर कमेटी का गठन किया गया, जिसमें ओमप्रकाश को प्रधान और महाबीर वर्मा को सचिव बनाया गया। इस अवसर पर किसान सभा के जिला नेता दयानंद ढुकिया, मास्टर देशराज वर्मा, बरवाला कमेटी सदस्य रोहतास राजली, दिनेश राजली, धर्मवीर सिंह व राम कैलाश आदि मौजूद रहे ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज का समारोह आज

हिसार। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय का सम्मान समारोह 6 जुलाई को सायं 5 से 7 बजे तक बालसमंद रोड स्थित पीस पैलेस में आयोजित होगा। कार्यक्रम में स्वच्छ, स्वस्थ, शिक्षित और स्वर्णिम भारत के निर्माण में अपना योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। हिसार केंद्र संचालिका बी.के. रमेश कुमारी ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा मंत्री उपस्थित होंगे।

ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र आज

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में 6 जुलाई को प्रभु स्मरण करते हुए जीने पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलने वाले इस इस ध्यान सत्र में प्रभु स्मरण के महत्व को स्पष्ट किया जाएगा। इसके साथ ही ध्यान की सरल विधियों से रूबरू करवाते हुए सभी साधकों को उनका अभ्यास भी करवाया जाएगा। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय ने बताया कि 6 जुलाई के ध्यान सत्र में साधकों को ओशो के संचित प्रवचन सुनने का भी अवसर मिलेगा।

मीरपुर के दो स्कूलों में सीएम फ्लाइंग का छापा रिकॉर्ड जांचे, ग्रांट व अन्य में अनिमितताएं मिली

मिड-डे मील, इको क्लब ग्रांट की जांच, मुख्यालय भेजी जाएगी जांच रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सीएम फ्लाइंग की टीम ने अग्रोहा क्षेत्र के गांव मीरपुर स्थित राजकीय माध्यमिक स्कूल व राजकीय प्राथमिक स्कूल में छापामारी की। छापे के दौरान टीम ने स्कूलों में ग्रांट के उपयोग, मिड-डे मील, इको क्लब ग्रांट और अन्य रिकॉर्ड की जांच की। पता चला है कि जांच के दौरान सीएम फ्लाइंग ने कई तरह की अनियमितताएं पकड़ी है।

मिली जानकारी के अनुसार सीएम फ्लाइंग टीम ने शनिवार को इंचार्ज सुनैना के नेतृत्व में यह छापामार कार्रवाई की। इसमें शिक्षा विभाग के चेकिंग अधिकारी के रूप में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दड़ोली के प्रिंसिपल प्रकाश चंद्र, बीईओ अग्रोहा के क्लर्क वीरेंद्र, एएसआई सुरेंद्र कुमार और एचसी विजय शामिल रहे। सुनैना ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि मीरपुर गांव के दोनों स्कूलों में ग्रांट के दुरुपयोग और अनियमितताओं की शिकायतें हैं। इस सूचना के आधार पर टीम ने दोनों स्कूलों में रेड की और रिकॉर्ड्स की गहन जांच की।

50 हजार की ग्रांट खर्च 3892 रुपये के बिल गायब

ग्रांट खर्च से संबंधित फाइलों में लगाई गई कोटेशन में तारीखें नहीं थीं, और नियमों का पालन नहीं किया गया था। जांच में पता चला कि स्कूल ने 50 हजार रुपये की ग्रांट खर्च की लेकिन 3892 रुपये के बिल गायब थे। इसके अलावा, इको यूथ ग्रांट के तीन हजार रुपए में से 1500 रुपये के बिल भी नहीं पाए गए। सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने बताया कि दोनों स्कूलों में जांच के दौरान पाई गई अनियमितताओं की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है। रिपोर्ट तैयार करके आगामी कार्रवाई के लिए मुख्यालय भेजा जाएगा।

ग्रांट के कई बिल नहीं थे वेरिफाइड

सीएम फ्लाइंग की इंचार्ज सुनैना ने बताया कि जांच के दौरान राजकीय माध्यमिक स्कूल में मुख्याध्यापक अनिल कुमार की मौजूदगी में कई खामियां पाई गईं। इंचार्ज सुनैना ने बताया कि स्कूल में दी गई ग्रांट के कई बिल वेरिफाइड नहीं थे। विशेष रूप से, छत की मरम्मत के लिए निकाले गए ग्रांट में मजदूरों की दिहाड़ी के बिल गायब थे। इसके अलावा, इको क्लब ग्रांट की कोटेशन खाली पाई गई और कैश बुक व प्रॉपर्टी रजिस्टर लंबे समय से अपडेट नहीं किए गए थे।

स्कूल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

सबसे गंभीर मामला यह सामने आया कि स्कूल ग्रांट में से 50 हजार रुपये खर्च किए गए, लेकिन इनमें से 3050 रुपये के बिल प्रस्तुत नहीं किए गए। रिकॉर्ड्स की कमी और अनियमितताओं ने स्कूल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। सीएम फ्लाइंग की इंचार्ज सुनैना ने बताया कि राजकीय प्राथमिक स्कूल में मुख्याध्यापक सतबीर सिंह की उपस्थिति में जांच की गई। यहां भी ग्रांट से संबंधित कैश बुक आधी-अधूरी पाई गई और बिलों को वेरिफाइड नहीं किया गया था।

उकलाना। बेरिगेटिंग करके रोका गया रास्ता।

फोरलेन रोड को एक तरफ से रोका, चालकों को परेशानी

- दो बड़ी मशीनें सड़क के बीच खड़ी की, वन वे हुआ रास्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

उकलाना क्षेत्र में सुरेवाला चौक की ओर जाने वाला फोरलेन मार्ग इन दिनों वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस सड़क पर सीवरेज लाइन की मरम्मत के लिए कई दिनों से दो बड़ी मशीनें सड़क के बीचों-बीच खड़ी कर दी गई हैं, जिससे यह मुख्य मार्ग वन वे में तब्दील हो चुका है। स्थानीय लोगों संदीप पातड़, अमी सिंह, महेंद्र दहमनिया का कहना है कि विभाग की इस लापरवाही के कारण रोजाना वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सिरसा-चंडीगढ़ स्टेट हाईवे पर बनी यह मुख्य सड़क अब आधी रह गई है और वाहनों का दबाव बढ़ने से यहां हादसों की आशंका बनी रहती है। बताया जा रहा है कि उकलाना से सुरेवाला की ओर जाने वाले इस स्टेट हाईवे के एक हिस्से में सीवरेज लाइन डाली गई है। समय-समय पर इन सीवरेज मैनहोल के टूटने की घटनाएं सामने आती रही हैं। लगभग एक माह पूर्व बिठमड़ा-बुढ़ाखेड़ा चौक के पास एक मैनहोल टूट गया था, जिस कारण यहां से फोरलेन रोड़ को वन वे बना दिया गया।विभाग द्वारा मैनहोल की मरम्मत का कार्य शुरू किया गया। इसके बाद सफाई के लिए विभाग ने दो मशीनें वहां खड़ी कर दीं, जो आज तक वहीं खड़ी हैं।

कैबिनेट मंत्री गंगवा ने बरवाला नगर पालिका को नगर परिषद का दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव भेजा

हिसार। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने बरवाला नगर पालिका को नगर परिषद का दर्जा दिए जाने के संबंध में शहरी स्थानीय निकाय विभाग को प्रस्ताव भेजा है। इसके माध्यम से उन्होंने बताया है कि बरवाला नगर परिषद के रूप में बरवाला शहरी क्षेत्र के सभी मापदंड पूरे हैं। नगर परिषद के रूप में अपग्रेड करने के लिए शहर की जनसंख्या कम से कम 50 हजार होने की आवश्यकता होती है, जबकि बरवाला शहर की जनसंख्या 54 हजार 280 है। इस संबंध में बरवाला शहर की वार्ड वाइज जनसंख्या के आंकड़े भी परिवार पहचान पत्र के आधार पर कार्यालय अतिरिक्त उपायुक्त द्वारा शहरी स्थानीय निकाय को भिजवा दी गई है। कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस बारे में नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल ने भी अनुरोध किया है कि पी.पी.पी. के अनुसार, वर्तमान में बरवाला शहर सरकार के सभी मानदंडों/निर्देशों को पूरा करता है। नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी के पत्र संख्या 375 में बरवाला शहर की जनसंख्या 54 हजार 280 दर्शाई गई है, इसलिए नगर समिति और शहर के नागरिकों के व्यापक जनहित में शीघ्रातिशीघ्र बरवाला को नगर परिषद में अपग्रेड किया जाए।

दिनदहाड़े दो युवक 40 हजार छीनकर फरार

हिसार। शहर के सेक्टर 1-4 में अज्ञात युवक एक व्यक्ति से दिनदहाड़े 40 हजार रुपये छीनकर फरार हो गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की लेकिन अभी युवकों का पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि शनिवार को लगभग 11 बजे कृष्णा नगर निवासी 55 वर्षीय जयभगवान सेक्टर तीन से सेक्टर 1-4 की तरफ जा रहा था। रास्ते में उसके मोटरसाइकिल की चैन उतर गई। उसी समय एक मोटरसाइकिल पर दो युवक आए और जयभगवान से बात करने लगे। युवकों ने बात बात में कहा कि अंकल हम आपके मोटरसाइकिल की चैन चढ़ा देते हैं। इसी दौरान उनमें से एक लड़के ने जयभगवान का मुंह दबोच लिया और दूसरे ने जयभगवान की जेब से 40 हजार रुपये निकाल लिए और सेक्टर 1-4 की तरफ भाग गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्य स्तरीय खेल के लिए आठ खिलाड़ियों का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

खेल विभाग हरियाणा द्वारा राज्य स्तरीय खेल महाकुम्भ टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए जिला स्तर पर चार जुलाई को ट्रायल लिया गया जिसमें पांच लड़के तथा पांच लड़कियों का चयन खेल महाकुम्भ हरियाणा के लिए किया जाना था। इसमें एसबीएस स्कूल माढ़ा के आठ खिलाड़ियों का चयन हुआ है। स्कूल के डायरेक्टर डॉ. सुनील चहल ने बताया कि हिसार जिले के 50 खिलाड़ियों ने ट्रायल दिए थे। जिसमें लड़कियों में पांचों खिलाड़ी तानिया, महक, परी, प्रीसीं तथा प्रीति तथा लड़कों में जतिन, चांद तथा गौंराश तीन खिलाड़ी कुल 10 खिलाड़ियों में से 8 खिलाड़ी एसबीएस स्कूल माढ़ा के हैं। जो अब हिसार जिले की तरफ से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। पहले भी खिलाड़ी ने अनेक मेडल जीत चुके हैं। इस अवसर पर कोच रवि, सन्दीप डीपी, बलजीत, हेमन्त, विकास, विजय, तरुण आदि मौजूद रहे।

नारनौंद। चयन होने पर प्रश्न मुद्रा में विक्ट्री चिन्ह बनकर खड़े हुए सभी खिलाड़ी व कोच।

45 लाख रुपये की भैंस खरीदकर धोखाधड़ी करने का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

हांसी। सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस ने भैंस खरीद कर 45 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने में संलिप्त दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मध्यप्रदेश के सिरोह निवासी भोला खान के रूप में हुई है। सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस में तैनात सब इंस्पेक्टर कपिल ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर कुछ दिनों पहले भैंसो का व्यापारी बनकर गुराना निवासी भुपेन्द्र से करीब 45 लाख रुपए की 44 भैंसें जल्द रुपये देने का झूठा वायदा कर खरीद ली। उसके बाद रुपये देने से मना कर दिया था। गुराना निवासी भुपेंद्र की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया था। सदर थाना में दर्ज मामले पर सीआईए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर 6 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी।

कांटेदार मुकाबले में नारनौंद की टीम ने माजरा की टीम को एक अंक से हराया

- फाइनल मैच में गांव माजरा की टीम को 27-26 से हराकर कर जीत हासिल की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

पुलिस द्वारा खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए नारनौंद में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। इसमें खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और खेल के माध्यम से लोगों को नशा न करने के लिए जागरूक भी किया। नारनौंद थाना प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि राजकीय माडल संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूल में कबड्डी प्रतियोगिता करवाया। इस प्रतियोगिता में 6 गांवो की टीमों ने भाग लिया। सभी मैचों में सभी खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। सभी मुकाबले कांटेदार रहे। फाइनल मैच में नारनौंद व माजरा की टीम के बीच बड़े कांटे का मुकाबला हुआ। इसमें नारनौंद की टीम ने फाइनल मैच में गांव माजरा की टीम को 27-26 से हराकर कर जीत हासिल की। विजेता टीम को हांसी पुलिस की तरफ से आकर्षक इनाम देकर सम्मानित किया।

मच्छर जनित बीमारियों से निपटने के लिए विभाग ने कमर कसी

लारवा मिलने पर 1410 घरों को थमाए नोटिस जुलाई को डेंगू रोधी माह के रूप में मनाएंगे

- जिले में 202 टीमें कर रही रैपिड फीवर सर्वे, अब तक डेंगू का एक और मलेरिया के 4 केस मिले
- लारवा मिलने पर चालान करने की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

मच्छरजनित बीमारियों को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। जुलाई माह को डेंगू रोधी माह के रूप में मनाया जाएगा और जिनके यहां लारवा मिलेगा, उनका स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा चालान किया जाएगा।

जिलेभर में अभियान चलाने के लिए 202 टीमें गठित की गई है, जोकि जिला में रैपिड फीवर सर्वे का कार्य कर रही है। इस वर्ष अब तक मलेरिया के 3 तथा डेंगू का एक केस मिल चुका है। इसके अलावा लारवा मिलने पर अब तक 1410 घरों में चेतावनी नोटिस जारी किए जा चुके हैं। मलेरिया विभाग में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रदीप कुमार ने बताया कि इस वर्ष अब तक मलेरिया केस संख्या 5 और डेंगू केस संख्या 1 है, लारवा मिलने पर अब तक 1410 घरों में चेतावनी नोटिस जारी किए जा चुके हैं। निगम व पंचायतों के सहयोग से फॉगिंग का कार्य जारी है। मलेरिया विभाग के पास फॉगिंग की दवाई उचित मात्रा में उपलब्ध हैं। बैठक में स्वास्थ्य सुपरवाइजर सुखबीर सिंह, नफे सिंह, जितेन्द्र कुमार, अंग्रेज सिंह, जगदीप मान, बलवान सिंह, विनय कुमार, उमेश कुमार आदि ने भाग लिया।

हिसार। बैठक में स्वास्थ्य सुपरवाइजर को दिशानिर्देश जारी करती सिविल सर्जन डॉ. सपना गहलावत।

सिविल सर्जन ने बैठक में दिए निर्देश

सिविल सर्जन डॉ. सपना गहलावत की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इसमें जिला के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के स्वास्थ्य सुपरवाइजर ने भाग लिया।सिविल सर्जन हिसार डॉ सपना गहलावत ने बताया कि जुलाई माह को डेंगू रोधी माह के रूप में मनाया जाएगा। स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर कूलर, टंकी, कंटेनर और छतों को चैक करने का कार्य करेंगे और बुखार पीड़ित मरीजों की रक्त पट्टिका बनाएंगे तथा लारवा मिलने पर चेतावनी नोटिस जारी करेंगे जिन घरों में दो या दो से ज्यादा बार मच्छरों का लारवा मिलेगा उन घरों का निगम के माध्यम से चालान करवाया जाएगा।

हर रविवार को ड्राई डे मनाएं : डॉ. खतरेजा

उपसिविल सर्जन डॉ. सुभाष ख़तरेजा ने बताया कि जिला हिसार में 202 टीम द्वारा रैपिड फीवर सर्वे का कार्य किया जा रहा है और आमजन से अपील कर कहा कि लोग अपने घरों के आस-पास सफाई रखें। रात में पूरी बाजू के कपड़े पहने, जैसे ही बुखार आए तुरंत रक्त की जांच करवाएं। हर रविवार को ड्राई डे मनाने का कार्य करें।

हिसार। बैठक में उपस्थित आशा वर्कर।

हड़ताल के लिए आशा वर्कर्स ने कसी कमर, बैठक करके की तैयारियां

हिसार। विभिन्न संगठनों के आह्वान पर 9 जुलाई को होने वाले राष्ट्रव्यापी हड़ताल में आशा वर्कर भी हिस्सा लेंगी। इसके लिए आशा वर्कर यूनियन के उकलाना ब्लॉक की वर्करों ने बैठक करके तैयारियों को अंतिम रूप दिया। ब्लाक प्रधान सुमन किनाला की अध्यक्षता मे शनिवार को हुई बैठक का संचालन रीना ने किया। ब्लॉक नेता सुनील, सलोचना, मोनिका ने बताया कि आशा वर्कर्स एंड फैसिलिटेटर फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर हड़ताल होगी। उन्होंने बताया कि छह माह से वेतन नहीं मिल रहा है और आशा वर्कर बगैर वेतन कर रही है जिससे आशा वर्करों में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार आशा वर्कर्स के काम को बहुत ही महत्वपूर्ण मानती है परंतु सरकार आशा वर्कर के कार्यों की प्रोत्साहन राशि नहीं बढ़ाती। पिछले 12 वर्ष से आशा की प्रोत्साहन राशि में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। बैठक में आशा वर्करों ने 9 जुलाई को राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर होने वाली हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में सीमा, सलोचना, मोनिका, सुमन, राजवंती, शिमला, किरण व शीला सहित अनेक आशा वर्करों ने ने भाग लिया।

हर म्यूचुअल फंड का रिस्क लेवल अलग होता है। इक्विटी फंड ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले होते हैं, जबकि डेट या हाइब्रिड फंड ज्यादा स्टेबल रिटर्न देते हैं। आपकी रिस्क लेने की क्षमता आपकी उम्र, आमदनी और वित्तीय जिम्मेदारियों के हिसाब से भी तय होती है। साथ ही यह भी सोचें कि आपको पैसों की जरूरत कितने समय बाद पड़ेगी। अगर आपका लक्ष्य कुछ साल दूर है, तो इक्विटी में निवेश कर सकते हैं, लेकिन शॉर्ट टर्म के लिए डेट या लिक्विड फंड ज्यादा अच्छे माने जाते हैं।

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

निवेश करने जा रहे हैं तो पल्ले 'गांठ' बांध लें ये बातें, अच्छी होगी कमाई

- पहले अपना लक्ष्य तय करें और रिस्क क्षमता जांच लें
- आपका लक्ष्य लंबी अवधि का है, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड बेहतर
- रिटायरमेंट में ज्यादा वक्त नहीं बचा है तो डेट फंड्स में निवेश सही

म्यूचुअल फंड निवेश का एक पॉपुलर और स्मार्ट तरीका बन चुका है। यह एक ऐसा ऑप्शन है, जिसमें छोटे निवेशकों को भी प्रोफेशनल मैनेजमेंट, डायवर्सिफिकेशन और फ्लेक्सिबिलिटी का फायदा मिल पाता है, लेकिन अपने लिए सही म्यूचुअल फंड का सेलेक्शन करते समय केवल पिछले रिटर्न को देखना ही काफी नहीं होता। सही फंड चुनने के लिए कुछ अहम बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि निवेश से बेहतर रिटर्न मिले और रिस्क भी कंट्रोल में रहे। सबसे पहले अपनी रिस्क क्षमता को देखते हुए लक्ष्य तय करें। इसके बाद ही निवेश के इस समर में उतरे। अगर इन जरूरी बातों पर ध्यान नहीं दिया तो सही फंड चुनने में चूक हो सकती है और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अपना फाइनेंशियल गोल तय करें

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि आप निवेश क्यों कर रहे हैं। घर खरीदने के लिए, बच्चों की पढ़ाई के लिए, रिटायरमेंट प्लान करने के लिए या फिर एसेट्स बनाने के लिए। अगर आपका निवेश का लक्ष्य साफ होगा, तो आपके लिए यह तय करना भी आसान हो जाएगा कि आपके लिए किस तरह का फंड बेहतर रहेगा। मिसाल के तौर पर अगर आपका लक्ष्य लंबी अवधि का है, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं, जबकि रिटायरमेंट में ज्यादा वक्त नहीं बचा है तो डेट फंड्स में निवेश करना सही हो सकता है.

रिस्क लेने की क्षमता और इनवेस्टमेंट होराइजन

हर म्यूचुअल फंड का रिस्क लेवल अलग होता है। इक्विटी फंड ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले होते हैं, जबकि डेट या हाइब्रिड फंड ज्यादा स्टेबल रिटर्न देते हैं। आपकी रिस्क लेने की क्षमता आपकी उम्र, आमदनी और वित्तीय जिम्मेदारियों के हिसाब से भी तय होती है। साथ ही यह भी सोचें कि आपको पैसों की जरूरत कितने समय बाद पड़ेगी। अगर आपका लक्ष्य कुछ साल दूर है, तो इक्विटी में निवेश कर सकते हैं, लेकिन शॉर्ट टर्म के लिए डेट या लिक्विड फंड ज्यादा अच्छे माने जाते हैं।

म्यूचुअल फंड की कैटेगरी को समझें

म्यूचुअल फंड्स की कई कैटेगरी हैं। मिसाल के तौर पर इक्विटी, डेट, हाइब्रिड, इंडेक्स, सेक्टोरल, ईएलएसएस वगैरह। हर फंड कैटेगरी की खूबियां अलग-अलग होती हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि कौन-सा फंड किस तरह की जरूरत के लिए बना है। फंड एक्टिव है या पैसिव, यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि इससे निवेश की रणनीति बदल सकती है।

पिछला ट्रैक रिकॉर्ड जरूर चेक करें

म्यूचुअल फंड्स के पिछले रिटर्न भविष्य की गारंटी नहीं देते, लेकिन यह जरूर बताते हैं कि किसी फंड ने बाजार के अलग-अलग साइकल या हालात में कैसा प्रदर्शन किया है। किसी फंड के तीन, पांच और सात साल के औसत रिटर्न की तुलना स्कीम के बेंचमार्क इंडेक्स और कैटेगरी एवरेज से करने पर उसके प्रदर्शन का काफी-कुछ अंदाजा लगाया जा सकता है।

फंड का पोर्टफोलियो देखें

कोई फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहा है, यह जानना भी जरूरी है। इससे पता चलता है कि फंड मैनेजर की इनवेस्टमेंट फिलॉसफी क्या है और यह आपके जोखिम प्रोफाइल से मेल खाती है या नहीं। मिसाल के तौर पर लार्ज कैप स्टॉक्स में ज्यादा निवेश करने वाले फंड, मिड कैप या स्मॉल कैप में ज्यादा इनवेस्ट करने वाली स्कीम के मुकाबले कम रिस्क वाले हो सकते हैं।

फंड मैनेजर का पिछला ट्रैक रिकॉर्ड

म्यूचुअल फंड्स में फंड मैनेजर की भूमिका बहुत अहम होती है। उनका अनुभव और ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि वे बाजार की चाल को कितना समझते हैं और निवेशकों के पैसों को संभालने में कितने माहिर हैं। यह भी देखें कि जिस फंड में आप निवेश करना चाहते हैं, उसके फंड मैनेजर कितने अनुभवी हैं।

निवेश के खर्च पर भी गौर करें

किसी फंड में निवेश करने पर कितना खर्च आता है, यह उसके एक्सपेंस रेशियो से पता चलता है. अगर यह ज्यादा है तो आपकी कमाई पर असर पड़ सकता है। एक्टिव फंड्स में यह रेशियो कुछ अधिक हो सकता है, लेकिन पैसिव या इंडेक्स फंड्स में इसे कम ही रहना चाहिए. साथ ही डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो भी उसी स्कीम के रेगुलर प्लान से कम होता है।

एग्जिट लोड व लॉक-इन पीरियड को समझें

कुछ फंड्स में तय समय से पहले पैसे निकालने पर एग्जिट लोड लगता है। ईएलएसएस जैसे फंड में 3 साल का लॉक-इन पीरियड होता है। कुछ फंड्स में यह 5 साल भी हो सकता है। इसलिए निवेश से पहले यह जानना जरूरी है कि आप जरूर पड़ने पर अपने पैसे कितनी जल्दी निकाल सकते हैं और उसका खर्च कितना होगा।

टैक्स के असर को भी जानें

इक्विटी और डेट फंड्स पर टैक्स की दरें अलग-अलग होती हैं। लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म के टैक्स रेट भी अलग होते हैं। निवेश का फैसला करते समय टैक्स इम्पैक्ट को ध्यान में रखें ताकि नेट रिटर्न का सही कैलकुलेशन हो सके।

फंड हाउस का पुराना प्रदर्शन भी देखें

जिस एसेट मैनेजमेंट कंपनी से फंड जुड़ा है, उसकी क्रेडिबिलिटी और पिछले इतिहास को जानना भी जरूरी है। एक मजबूत और भरोसेमंद एएमसी आपके पैसों को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकता है। म्यूचुअल फंड में निवेश से अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन इसके लिए आंख बंद करके किसी भी फंड में पैसा न लगाएं। अपनी जरूरत, रिस्क लेने की क्षमता और इनवेस्टमेंट होराइजन को समझें और ऊपर बताए गए हर प्वाइंट को ध्यान में रखकर फैसला करें। अगर जरूरत हो तो किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह भी लें।

पीपीएफ में निवेश से भी जुटा सकते हैं 1.50 करोड़, ट्रिपल 5 का फॉर्मूला आएगा काम

केंद्र सरकार ने निवेशकों खासतौर से सैलरीड क्लास के बीच पॉपुलर स्मॉल सेविंग्स पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। जुलाई से सितंबर 2025 तक के लिए पीपीएफ पर 7.1 फीसदी सालाना ब्याज मिलता रहेगा। पीपीएफ की मैच्योरिटी 15 साल होती है, यानी यह लंबी अवधि के निवेश पर फोकस करने वाली स्कीम है। फाइनेंशियल एडवाइजर भी इसे लंबी अवधि के लिए सुरक्षित स्कीम मानते हैं। इस स्कीम के जरिए आप कितना फंड जुटा सकते हैं। क्या 1 करोड़ या 1.50 करोड़। इसका जवाब है आपके द्वारा होल्ड किए जाने वाली अवधि। पब्लिक प्रोविडेंट फंड एक ऐसी सरकारी स्कीम है, जिसे लंबी अवधि की निवेश के लिए डिजाइन किया गया है। अगर इस सरकारी स्कीम में लंबी अवधि तक या पूरे नौकरी पीरियड तक निवेश बनाए रहें तो रिटायरमेंट पर यह सरप्राइज दे सकता है। अब सवाल है कि मैच्योरिटी 15 साल की है तो इसे 25 साल या 30 साल तक होल्ड करना कैसे संभव है। ऐसा संभव है, इसे संभव बनाता है इस स्कीम में एक्सटेंशन से जुड़ा नियम।

पीपीएफ में निवेश के नियम

पीपीएफ की मैच्योरिटी वैसे तो 15 साल की है, लेकिन निवेशक चाहें तो इसे एक बार में 5 साल - 5 साल के लिए कितनी बार भी आगे बढ़ा सकते हैं। इस तरह से यह स्कीम पूरी नौकरी पीरियड में भी बनाए रखी जा सकती है। अगर आप एक्सटेंशन से जुड़े इस नियम का सही से फायदा उठाते हैं तो आपका भविष्य वित्तीय रूप से बहुत हद तक सुरक्षित हो सकता है। हमने यहां 28 साल से 58 साल तक यानी नौकरी के 30 साल निवेश पर कैलकुलेशन दिया है।

28 की उम्र में पीपीएफ अकाउंट शुरू करना और इसे 58 साल तक बनाए रखने का मतलब है कि आपने 15 साल की मैच्योरिटी के बाद 3 बार 5 साल के लिए यानी ट्रिपल 5 का फॉर्मूला अपनाकर इसमें निवेश जारी रखा।

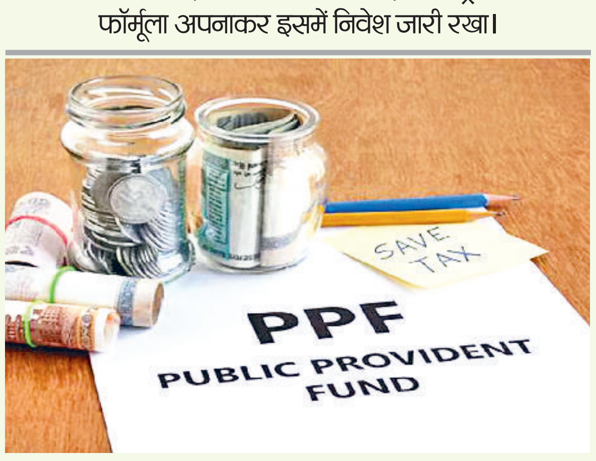

28 से 58 साल तक निवेश

28 की उम्र में पीपीएफ अकाउंट शुरू करना और इसे 58 साल तक बनाए रखने का मतलब है कि आपने 15 साल की मैच्योरिटी के बाद 3 बार 5 साल के लिए यानी ट्रिपल 5 का फॉर्मूला अपनाकर इसमें निवेश जारी रखा।

इसे ऐसे समझें

- एक फाइनेंशियल ईयर में जमा : 1.50 लाख रुपये
- ब्याज दर : 7.1 फीसदी सालाना
- 15 साल में कुल जमा : 22,50,000
- 15 साल बाद कुल फंड : 40,68,209
- 3 बार एक्सटेंड करने पर
- 30 साल में कुल जमा : 45,00,000
- 30 साल बाद कुल फंड : 1,54,50,911
- ब्याज का फायदा : 1,09,50,911 रुपये

पीपीएफ को एक्सटेंड करने पर क्या हैं फायदे?

यह बचत स्कीम एक्सटेंड करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपने रिटायरमेंट तक इसके जरिए एक बड़ा कॉर्पस जो 1.50 करोड़ रुपये भी हो सकता है, तैयार कर सकते हैं। वहीं ईपीएफ अकाउंट से भी आपको रिटायरमेंट पर अच्छा खासा फंड मिलेगा। ऐसे में आपका बुढ़ापा पूरी तरह से टेंशन फ्री हो जाएगा।

क्लोजिंग बैलेंस पर 89,000 रुपये मंथली इनकम

यहां आपने 30 साल तक निवेश कर, रिटायरमेंट तक 1.50 करोड़ फंड जुटा लिया। अब इसी फंड से मंथली कमाई करना चाहते हैं तो इसे फिर एक्सटेंड कर फायदा उठा सकते हैं. अगर आप स्कीम को बिना कुछ निवेश किए 5 साल के लिए एक्सटेंड किया है तो आपको क्लोजिंग बैलेंस पर सालाना ब्याज मिलेगा। वहीं हर साल एक बार आप पूरी रकम का कितना फीसदी भी निकाल सकते हैं। यह 100 फीसदी तक हो सकता है। यहां 1.50 करोड़ रुपये के क्लोजिंग बैलेंस पर 7.1 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह एक साल में 10,65,000 रुपये होगा. आप एक साल में एक बार में इस पूरी ब्याज की रकम को निकाल सकते हैं। इसे 12 महीनों में बांट दें तो करीब 88,750 रुपये महीना होगा. वहीं इस निकासी पर कोई टैक्स भी नहीं लगेगा।

क्या है पीपीएफ

- पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) एक प्रकार की बचत योजना है जो भारत सरकार द्वारा संचालित की जाती है। यह योजना व्यक्तियों को अपने भविष्य के लिए बचत करने और कर लाभ प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।
- लंबी अवधि की बचत: पीपीएफ एक लंबी अवधि की बचत योजना है जिसमें निवेश की अवधि 15 वर्ष होती है।
- कर लाभ: पीपीएफ में निवेश करने से आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर लाभ प्राप्त होता है।
- निश्चित ब्याज दर: पीपीएफ पर ब्याज दर सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है और यह दरें समय-समय पर बदलती रहती हैं।
- सुरक्षित निवेश: पीपीएफ एक सुरक्षित निवेश विकल्प है क्योंकि इसमें सरकार का समर्थन होता है।

सोने में लौट रहा निवेशकों का भरोसा

गोल्ड ईटीएफ ने 5 वर्ष में दिया बड़ा मुनाफा

विकल्प | बिजनेस डेस्क

अगर आपने पिछले 5 सालों में हर महीने सिर्फ 10,000 रुपये गोल्ड ईटीएफ में लगाए होते, तो आज आपकी रकम करीब 10 लाख हो चुकी होती! एक रिपोर्ट के मुताबिक, येलो कमोडिटी यानी गोल्ड पर बेस्ड ईटीएफ ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, एलआईसी एमएफ गोल्ड ईटीएफ में 10,000 रुपये की मंथली एसआईपी से कुल 6 लाख रुपये का निवेश करके 5 साल में 9.93 लाख रुपये तक का फंड तैयार किया है। इस दौरान इसका एक्सआईआरआर 20.93% रहा। इगोवहीं, यूटीआई गोल्ड ईटीएफ ने भी 9.92 लाख का रिटर्न दिया, जिसमें एक्सआईआरआर 20.87% रहा। कुल मिलाकर, गोल्ड ईटीएफ ने यह दिखा दिया है कि अगर आप अनुशासित तरीके से एसआईपी करते हैं, तो आपको बेहतर रिटर्न मिल सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मई 2025 में गोल्ड ईटीएफ में कुल 291 करोड़ रुपये का निवेश आया है। इससे पता चलता है कि गोल्ड में निवेशकों को भरोसा लौट रहा है।

सोना निवेश का भरासेमंद विकल्प

मई 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 291 करोड़ की नया निवेश हुआ। एक्सपर्ट का मानना है कि सोने की मजबूत कीमत और दुनिया भर की अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों का सोने में फिर से भरोसा बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि सोना अब भी एक सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश का ऑप्शन बना हुआ है। जानकारों के मुताबिक निवेशक फिर से सोने पर भरोसा कर रहे हैं क्योंकि सोना शेयर और बॉन्ड बाजार की अस्थिरता के बीच एक सुरक्षित जगह माना जाता है। मई महीने में सोने की कीमतें ज्यादा बदल नहीं हुईं, जिससे निवेशकों के लिए यह सही समय था कि वे अपने पैसे सुरक्षित जगह लगाएं या अपने निवेश का संतुलन ठीक करें। इसलिए अब ज्यादा लोग सोने में निवेश कर रहे हैं।

क्या है गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो सोने की कीमतों को ट्रैक करता है। यह निवेशकों को सोने में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है बिना भौतिक सोना खरीदने की आवश्यकता के।

गोल्ड ईटीएफ के लाभ

- **सोने में निवेश :** गोल्ड ईटीएफ निवेशकों को सोने में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है बिना भौतिक सोना खरीदने की आवश्यकता के।
- **विविधीकरण :** गोल्ड ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने में मदद कर सकता है।
- **लिक्विडिटी :** गोल्ड ईटीएफ में उच्च लिक्विडिटी होती है, जिससे निवेशक अपने निवेश को आसानी से बेच सकते हैं।
- **कम लागत :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने की लागत कम होती है।

एसआईपी करने वालों के लिए खुशखबरी

- 5 साल में गोल्ड ईटीएफ ने 10,000 मासिक एसआईपी को 10 लाख में बदला
- एलआईसी, यूटीएल, और इनवेस्को जैसे फंड्स ने 20% से ज्यादा रिटर्न दिया
- मई में गोल्ड ईटीएफ में 291 करोड़ का निवेश आया, दे रहा बढ़िया संकेत

गोल्ड ईटीएफ- 5 साल का परफॉर्मेंस

गोल्ड ईटीएफ	10,000 मंथली एसआईपी का वर्तमान वैल्यू जो 5 साल पहले शुरू किया था	एक्सआईआरआर (%)
एलआईसी	993,917.25	20.93
यूटीआई गोल्ड	992,677.42	20.87
इन्वेस्को इंडिया	991,639.77	20.83
एक्सिस	990,730.89	20.79
आईसीआईसीआई प्रू	990,214.31	20.77
आदित्य बिड़ला एसएल	988,839.31	20.71
एचडीएफसी	988,609.05	20.7
कोटक	988,529.52	20.7
एसबीआई	986,021.61	20.59
क्वांटम गोल्ड फंड	984,917.72	20.54
निप्पॉन इंडिया ईटीएफ गोल्ड बीईएस	983,924.09	20.5

गोल्ड ईटीएफ की विशेषताएं

- सोने की कीमतों को ट्रैक करना : गोल्ड ईटीएफ सोने की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशकों को सोने के मूल्य में परिवर्तन के अनुसार लाभ या हानि होती है।
- एक्सचेंज पर कारोबार : गोल्ड ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होता है और इसका कारोबार शेयरों की तरह किया जा सकता है।
- लिक्विडिटी : गोल्ड ईटीएफ में उच्च लिक्विडिटी होती है, जिससे निवेशक अपने निवेश को आसानी से बेच सकते हैं।
- कम लागत : गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने की लागत कम होती है क्योंकि इसमें भौतिक सोना खरीदने और रखने की आवश्यकता नहीं होती है।

स्वास्थ्य बीमा में ईएमआई के लाभ : कवरेज को और किफायती बनाएं

ईएमआई भुगतान विकल्प के साथ स्वास्थ्य बीमा खरीदना करना ज़्यादा सुविधाजनक ■ पॉलिसीधारक छोटी, ज़्यादा सुलभ किश्तों में प्रीमियम का भुगतान कर पाने में होते हैं सक्षम ■ मिलती है मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक भुगतान माध्यम चुनने की सुविधा

जानकारी
भास्कर नेरुरकर

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में, स्वास्थ्य समस्याएं और बढ़ते मेडिकल खर्चे व्यक्तियों और परिवारों दोनों के लिए एक आम समस्या बन गए हैं। हेल्थकेयर की बढ़ती लागत के चलते, बहुत से लोगों के लिए कॉम्प्रिहेंसिव स्वास्थ्य बीमा कवरेज खरीदना पहले से ज़्यादा मुश्किल हो गया है। सुलभता और किफायत को बढ़ाने के लिए, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) ने 2019 में यह नियम बनाया कि बीमा प्रीमियम का भुगतान एकमुश्त करने के बजाय, बीमा कंपनियां पॉलिसीधारकों को ईएमआई (समान मासिक किश्तों) में प्रीमियम चुकाने का विकल्प दें। इससे लोगों के लिए अपने खर्चों को बजट में लाना आसान हो जाएगा और यह सुनिश्चित होगा है कि उनके पास अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों से सुरक्षा के लिए निरंतर स्वास्थ्य कवरेज हो। ईएमआई भुगतान विकल्प के साथ स्वास्थ्य बीमा खरीदना करना ज़्यादा सुविधाजनक हो जाता है, जिससे पॉलिसीधारक छोटी, ज़्यादा सुलभ किश्तों में प्रीमियम का भुगतान कर पाते हैं।

ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा आपको एक बार में पूरी राशि का भुगतान करने के बजाय, मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक भुगतान माध्यम चुनने की सुविधा देता है, जिससे अपना बजट बनाना आपके लिए आसान हो जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपका वार्षिक प्रीमियम 36,000 रुपये है, तो फाइनेंशियल बाधाओं की वजह से पूरी राशि का एकमुश्त भुगतान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ईएमआई भुगतान के ज़रिए, आप 3,000 रुपये की 12 किश्तों में भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं या पूरी राशि को त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक किश्तों में बांटकर भुगतान कर सकते हैं, जिससे आपको लगातार कवरेज भी मिलती है और आपकी फाइनेंशियल स्थिरता भी बनी रहती है। यह तरीका पॉलिसीधारकों को एक बार में बड़े खर्चों से बचने में मदद करता है, जिससे स्वास्थ्य बीमा प्राप्त करना और मैनेज करना आसान हो जाता है। ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा लेने से कई लाभ मिलते हैं, जो हेल्थकेयर कवरेज प्राप्त करना आसान और सुविधाजनक बनाते हैं. यहां कुछ प्रमुख लाभ दिए गए हैं।

उच्च कवरेज का एक्सेस

एक अच्छा स्वास्थ्य बीमा प्लान होना बहुत ज़रूरी है, लेकिन कई बार इसकी लागत आपके लिए चिंता का विषय हो सकती है। ईएमआई का विकल्प चुनकर, आप उच्च कवरेज वाले प्लान खरीद सकते हैं। जो कि विशेष रूप से हृदय रोग, कैंसर, किडनी फेलियर या न्यूरोलॉजिकल विकार जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने में मददगार होते हैं। इन बीमारियों का इलाज महंगा हो सकता है, जिसमें लंबे समय तक मेडिकल केयर, सर्जरी और महंगी दवाओं की आवश्यकता होती है। ईएमआई प्लान के साथ, आप उन गंभीर बीमारियों को कवर करने वाली बीमा पॉलिसी चुन सकते हैं, जिनके लिए एकमुश्त भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे कठिन समय में आपके और आपके परिवार के लिए फाइनेंशियल सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

सीनियर सिटीज़न और रिटायर हो चुके लोगों के लिए उपयुक्त

जैसे-जैसे व्यक्ति की आयु बढ़ती है, स्वास्थ्य बीमा और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, लेकिन आयु से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों के कारण कवरेज की लागत अधिक हो सकती है. सीनियर सिटीज़न और रिटायर हुए लोगों के लिए, बीमा के लिए बड़ी राशि का एकमुश्त भुगतान चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासतौर पर तब जब उनकी आय एक निश्चित राशि तक ही सीमित हो। ऐसी स्थिति में ईएमआई प्लान सहायक बन जाते हैं। सुविधाजनक भुगतान विकल्पों के साथ, वे सही पॉलिसी प्राप्त कर सकते हैं जो फाइनेंशियल स्थिरता बनाए रखते हुए उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा करती है।

ज़्यादा किफायती

बीमा के लिए एक बड़ी राशि का भुगतान करना कभी-कभी आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। ऐसे में ईएमआई प्लान मददगार साबित होते हैं -वे खर्च को छोटे, आसान भुगतानों में बांटते हैं, जिससे हर किसी के लिए बीमा लेना ज़्यादा किफायती हो जाता है। वार्षिक प्रीमियम का एक बार में भुगतान करके परेशान होने की बजाय, आप आसान किश्तों में भुगतान कर सकते हैं, जिससे आपका आर्थिक दबाव कम हो सकता है। उदाहरण के लिए, कॉम्प्रिहेंसिव पॉलिसी के लिए एक बार में 50,000 रुपये का भुगतान करने के बजाय, आप एक वर्ष के लिए प्रति माह लगभग 4,167 रुपये का भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं।

परेशानियों को कम करते हैं ऑटोमैटिक भुगतान

कभी-कभी बीमा प्रीमियम का भुगतान करना मुश्किल हो सकता है, खासतौर पर जब आप जीवन में व्यस्त हो जाते हैं। इसलिए कई बीमा कंपनियां ईएमआई भुगतान के लिए ऑटो-डेबिट विकल्प प्रदान करती हैं, जिससे प्रीमियम का भुगतान करना आसान हो जाता है और यह सुनिश्चित होता है कि आपकी पॉलिसी जारी रहे. ऑटो-डेबिट सुविधा के साथ, आपकी चुनी गई आवृत्ति, जैसे मासिक, तिमाही, अर्ध-वार्षिक या वार्षिक के आधार पर, आपका बीमा प्रीमियम ऑटोमैटिक रूप से आपके बैंक अकाउंट से काटा जाता है। यह सुविधा आपको भुगतान से चूकने से बचाती है और भुगतान में देरी की वजह से पॉलिसी समाप्त होने के जोखिम को खत्म करती है। इसके अलावा, यह आपको हर देय तिथि को याद रखने से भी बचाती है। इस विकल्प के साथ, आप बिना किसी फाइनेंशियल दबाव के लगातार कवरेज बनाए रख सकते हैं और हर समय सुरक्षित रह सकते हैं।

टैक्स लाभ : स्वास्थ्य बीमा न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि टैक्स लाभ भी प्रदान करता है, जो आपको पैसे बचाने में मदद कर सकता है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर खर्च किए गए पैसे पर कटौती का क्लेम कर सकते हैं। यह आपकी टैक्स योग्य आय को कम करता है, जिससे आपका देय टैक्स भी कम हो जाता है। स्वयं, पति/पत्नी, बच्चों और आश्रित माता-पिता के लिए चुकाए गए प्रीमियम पर यह कटौती लागू होती है। अगर आप प्रीमियम का भुगतान ईएमआई पर करना चुनते हैं, तो आपको टैक्स लाभ भी मिलेंगे और छोटे भुगतानों की सुविधा भी। टैक्स फाइल करते समय कटौती का क्लेम करने के लिए, सभी भुगतानों की रसीदें और पॉलिसी डॉक्यूमेंट को प्रमाण के रूप में ज़रूर रखें।

स्मार्ट और सुविधाजनक विकल्प : ईएमआई पर स्वास्थ्य बीमा उन व्यक्तियों और परिवारों के लिए एक स्मार्ट और सुविधाजनक विकल्प है, जो एक बार में बड़ी राशि का भुगतान किए बिना कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थकेयर कवरेज चाहते हैं। शुरुआत करने के लिए, अपनी हेल्थकेयर की आवश्यकताओं का आकलन करें और विभिन्न बीमा प्लान्स के बारे में जानें। नियम और शर्तों को समझें और अपने बजट के अनुसार भुगतान की आवृति चुनें। पता लगाएं कि क्या कोई अतिरिक्त शुल्क लग रहा है, पॉलिसी की कवरेज में क्या शामिल है और क्लेम कैसे करते हैं, ताकि बाद में कोई समस्या न हो। सही स्वास्थ्य बीमा प्लान और किफायती ईएमआई आपको लंबे समय के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा, फाइनेंशियल सुरक्षा और मन की शांति प्रदान करते हैं। याद रखें, आज सही विकल्प चुनने से आपको भविष्य में मेडिकल एमरजेंसी के दौरान फाइनेंशियल तनाव से बचने में मदद मिल सकती है।

(लेखक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम के हेड हैं।)

खबर संक्षेप

छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

हिसार। आजाद नगर स्थित डीडीयूजीकेवाई स्टडी मैट्रिक्स स्किल डेवलपमेंट मिशन आजाद नगर हिसार में एक सेल्फ डिफेंस कैंप का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को ताइक्वांडो ब्लैक बेल्ट एवं इंडिया बुक ऑफ वल्ड रिकॉर्ड होल्डर सेल्फ डिफेंस कोच रोहतास कुमार ने सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी। संस्था के अध्यक्ष पंकज सिंह नैन ने कहा कि सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग के लिए बेहद जरूरी है। कोच रोहतास कुमार ने छात्राओं को सेल्फ डिफेंस की विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तार व बारीकी से बताया गया।

तिरुपति धाम में कल मनाएंगे गुरु पूर्णिमा

हिसार। श्री तिरुपति बालाजी धाम में 8 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। परम पद प्राप्त अनंत विभूषित जगद्गुरु त्रिदंडी जीयर स्वामी श्री देवनारायणाचार्य जी महाराज के परम कृपापात्र नवनियुक्त अभिनव उत्तराधिकारी अनंत श्री विभूषित सर्वश्री स्वामी श्री नारायणाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में यह महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसके तहत 8 जुलाई को प्रातः 10.30 बजे परम पद प्राप्त जगद्गुरु त्रिदंडी जीयर स्वामी जी की चरण पादुका पूजन से महोत्सव की शुरूआत होगी। इस दौरान श्री नारायणाचार्य जी महाराज प्रवचनों की अमृतवर्षा करेंगे और मार्गदर्शन भी करेंगे। श्री नारायणाचार्य जी महाराज 7 व 8 जुलाई सायं तक तिरुपति धाम पर ही प्रवास करेंगे।
वे 8 जुलाई को सायंकाल जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

शहीद महाबीर सिंह को दी श्रद्धांजलि

हिसार। गांव घिराय में शनिवार को शहीद हवलदार महाबीर सिंह बूरा का बलिदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम शहीद महाबीर सिंह खेल स्टेडियम में हुआ। सबसे पहले शहीद की पत्नी जावित्री देवी ने प्रतिमा के आगे दीप जलाकर श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि के रूप में हांसी के विधायक विनोद भ्याना पहुंचे। उन्होंने शहीद परिवार को सांत्वना दी। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री से मिलकर शहीद हवलदार महाबीर सिंह स्टेडियम को यादगार रूप दिलाया जाएगा।वेटरन ऑर्गेनाइजेशन के प्रदेश अध्यक्ष वेटरन चरण सिंह मलिक और कार्यकारिणी ने शहीद के परिवार को संगठन की ओर से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

नि:शुल्क नेत्र जांच व नेत्र ऑपरेशन शिविर आयोजित

हिसार। स्वास्थ्य व सामाजिक सरोकारों से जुड़े दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में स्वर्गीय बजरंग दास गोयल की पत्नी स्वर्गीय मनोहरी देवी की पांचवीं पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में निशुल्क नेत्र जांच व निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर आयोजित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने इस शिविर का भरपूर लाभ उठाया।इस शिविर में अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों ने नेत्र जांच करके मरीजों को निशुल्क उचित परामर्श दिया। नेत्र जांच के दौरान जिन लोगों की आंखों में सफेद मोतियाबिंद की शिकायत मिली, उनका नेत्र ऑपरेशन निशुल्क किया गया। यथासंभव दवाइयां भी फ्री उपलब्ध करवाई गई।

मामनपुरा में बनेगी राजकीय प्राथमिक पाठशाला की नई इमारत : भयाना

मामनपुरा गांव में विधायक ने किया 11 परियोजनाओं का निर्माण कार्य का शुभारंभ

गांव के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हलके के मामनपुरा गांव के लिए शनिवार का दिन सौगातों भरा रहा। गांव के इतिहास में पहली बार एक दिन में 11 बड़ी विकास परियोजनाओं के निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। यह कीर्तिमान विधायक विनोद भयाना ने 1.52 करोड़ रुपये लागत के 11 विकास कार्यों को प्रारंभ करवाकर स्थापित किया। इस दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विनोद भयाना ने मामनपुरा गांव के ग्रामीणों से कहा कि गांव के विकास में कोई कोर- कसर नहीं छोड़ी जा रही है, अगर कोई और विकास कार्य करवाना चाहते हो तो सूची भिजवा देना सभी कामों को बिना देरी के पूर्ण करवाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। मामनपुरा गांव में राजकीय प्राथमिक पाठशाला की नई इमारत बनेगी।

हांसी। मामन पुरा गांव में विकास परियोजनाओं के निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक विनोद भयाना

इन विकास कार्यों का हुआ श्री गणेश

विधायक ने मामनपुरा गांव में बाना राम के खेत से रामकिशन के खेत तक निर्माण खाल, मामन पुरा रोड से रवि के मकान तक गली निर्माण, श्मशान घाट में शेड निर्माण, विद्यालय से लेकर जल घर तक के रास्ते का निर्माण, पूर्व सरपंच रामधारी के मकान से लेकर पूर्व सरपंच रणसिंह सिंह के मकान तक गली निर्माण, प्राथमिक विद्यालय के भवन का निर्माण, प्रेम सिंह के खेत से लेकर दौलत राम तक के खेत तक खाल निर्माण, देपल रोड से लेकर सुबे सिंह के खेत तक रास्ता निर्माण, खेल स्टेडियम की चार दिवारी का निर्माण, देपल रोड से लेकर रामकिशन, रामफल, बानाराम और रमेश के खेत तक खाल निर्माण व पाइपलाइन बिछाने इत्यादि कार्यों का शुभारंभ किया।

ये लोग रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा नेता राजपाल यादव, पंचायत समिति अध्यक्ष प्रतिनिधि सुभाष यादव, मंडल अध्यक्ष विजय देपल, संतलाल, महेंद्र, सरपंच प्रतिनिधि भारत यादव, सुनील कुमार, रामचंद्र, संजय यादव, बीडीसी सदस्य अनीता, जेई विजय फोगाट, प्रवीण, पूर्व सरपंच राजेश धमाणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हिसार। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष कमल कुमार बराड़ा के साथ उपस्थित पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

सरकार की नीतियां दलित-पिछड़ा वर्ग विरोधी : बराड़ा

- भीम आर्मी ने किया 'सामाजिक न्याय संकल्प सभा' का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

भीम आर्मी की ओर से सिरसा बाइपास स्थित गुरु रविदास छात्रावास में 'सामाजिक न्याय संकल्प सभा' का आयोजन किया गया। यह सभा संविधान, सामाजिक न्याय और बहुजन समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए चल रहे संघर्षों को नई दिशा देने के उद्देश्य से सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भीम आर्मी हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष मा. कमल कुमार बराड़ा रहे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि बराड़ा ने केंद्र व राज्य की भाजपा सरकारों पर सीधा आरोप लगाया कि उनकी नीतियां दलित-पिछड़े वर्ग के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, नौकरी, आरक्षण, कानून और संसाधनों पर सवर्णवादी नियंत्रण को भाजपा मजबूत कर रही है। बराड़ा ने कहा कि आज का युवा सिर्फ डिग्री तक सीमित न रहे, अगर तुम्हारे अधिकार छीने जा रहे हैं तो शिक्षा का क्या लाभ? बाबा साहब अंबेडकर की तरह सोचो, पढ़ो, संगठित हो और संघर्ष करो।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में संतलाल अंबेडकर, अमित जाटव, प्रदीप यादव, रूबल आजाद, एडवोकेट सुरेन्द्र कुमार मेहरा, एडवोकेट सुरेन्द्र इंदल, राजू बांगड, डॉ. मनोज, राजेश पाबड़ा, मंगल यादव, पवन बांगड, राजेश बांगड, बंटी बांगड, जॉनी रावत, प्रवीण वर्मा, प्रदीप, पवन बांगड, मांगेराम बगला, विनय बगला आदि मौजूद रहे।

इंडोनेशिया में भारतीय शैली का जातिवाद नहीं है : लाल बहादुर

इंडोनेशिया, जहां लगभग 87 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, वहां हिंदू 1.7 प्रतिशत हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

लाल बहादुर खोवाल के नेतृत्व में इंडोनेशिया गए प्रतिनिधिमंडल। फोटो : हरिभूमि

एचपीसीसी लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेशाध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता लाल बहादुर खोवाल ने इंडोनेशिया के धार्मिक सौहार्द और सामाजिक समरसता की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया में भारतीय शैली का जातिवाद नहीं है। वहां विभिन्न धर्मों के लोग प्रेम, भाईचारे और सहयोग के साथ रहते हैं।

हाल ही में इंडोनेशिया की यात्रा से लौटने के बाद एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने कहा कि यह यात्रा देशभर से कुम्हार/प्रजापति समाज से जुड़े गणमान्य प्रतिनिधियों और उनके परिवारों के साथ संपन्न हुई। खोवाल ने बताया कि इंडोनेशिया, जहां लगभग 87 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, वहां हिंदू (1.7 प्रतिश) और ईसाई (10 प्रतिशत) समुदाय भी शांति और सम्मान के साथ रहते हैं। खासकर बाली द्वीप में हिंदू समाज का रहन-सहन देखने लायक है, जहां सीमित जातीय वर्गीकरण (जैसे ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र) केवल धार्मिक और पारंपरिक आयोजनों तक सीमित है। यह भारतीय समाज की तरह कठोर और व्यापक जातिव्यवस्था नहीं है।

इस प्रतिनिधिमंडल में आरएस वर्मा, ईश्वरीलाल, कर्मचंद बबलू, विनोद शुक्रालिया, चंद्राराम गुर्री, वेदप्रकाश आर्य, नाथी राम, दीनदयाल, रमेश कुमार, गोबिंद राम, नरेश मार्बल, ओमप्रकाश जालंधरा, अमित कुमार, आईना वर्मा, हिमांशु आर्य खोवाल, प्रदीप डाबोदिया, पूनम, हिमानी, वरुण, विनय और उदीक्षा जैसे विभिन्न राज्यों से जुड़े न्यायिक अधिकारी, आईएएस अधिकारी, डॉक्टर, उद्योगपति, अधिवक्ता, सेवानिवृत अधिकारी और समाजसेवी शामिल थे।

भाजपा ने अपना असली रंग दिखाना शुरू किया : दलबीर किरमारा

हिसार। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष दलबीर किरमारा ने कहा है कि चुनाव के समय लंबे-चौड़े वादे करने वाली भाजपा ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा यह रंग केवल हरियाणा में नहीं दिखा रही बल्कि जनता ने इसे जहां-जहां सत्ता सौंपी, वहां पर भी दिखा रही है। दलबीर किरमारा ने कहा कि अब जनता के हर वर्ग को अच्छी तरह से समझ आ जाना चाहिए कि भाजपा की कथनी व करनी में कितना अंतर है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के राशनकार्ड काटकर उन्हें राशन से वंचित किया जा रहा है, गरीबों को मिलने वाले राशन में तेल की कीमत बढ़ाकर उनसे रोटी छीनने का प्रयास किया जा रहा है। इससे भी बड़ी बात यह है कि राशनकार्ड काटने व तेल की कीमतें बढ़ाने के मसले पर सरकार चुप्पी साधे हुए है, जो निंदनीय है।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़चढ़ कर भागीदारी करेगी नर्सिंग कैडर एसोसिएशन : श्योराण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। नागरिक हस्पताल में नर्सिंग कैडर एसोसिएशन की मीटिंग आयोजित करते हुए।

सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित स्वास्थ्य विभाग की नर्सिंग कैडर एसोसिएशन आगामी 9 जुलाई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़चढ़ कर भाग लेंगे। यह बात नर्सिंग कैडर एसोसिएशन की जिलाध्यक्ष संतोष श्योराण ने कही। वे शनिवार को नागरिक अस्पताल में नर्सिंग ऑफिसर कैडर एसोसिएशन की मीटिंग की अध्यक्षता कर रही थी। मीटिंग का संचालन तालमेल कमेटी संयोजक एमपीएचडब्ल्यू नूर मोहमद ने किया।

जिला प्रधान संतोष श्योराण, सचिव आत्मा राम और तालमेल कमेटी संयोजक नूर मोहमद ने कहा कि सरकार की जनविरोधी और कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ हड़ताल को सफल बनाएंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा लगातार जनविरोधी और कर्मचारी विरोधी नीतियों को थोपने का काम कर रही है। सार्वजनिक विभागों को कौड़ियों के भाव निजी हाथों के हवाले किया जा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में जियो फेंसिंग हाजिरी प्रणाली और ऑनलाइन ट्रांसफर नीति के सरकार के निर्णय को कर्मचारी विरोधी बताया। इस अवसर पर सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव राजेश बागड़ी, सहसचिव अशोक सैनी, वरिष्ठ उप प्रधान नरेश गौतम, बहुद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन के जिला प्रधान विकास संदलाना और स्वास्थ्य विभाग तालमेल कमेटी के जिला संयोजक एमपीएचडब्ल्यू नूर मोहमद ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए 9 जुलाई की हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नर्सिंग कैडर के जिला सचिव आत्माराम, कैशियर राजेंद्र, प्रैस सचिव पूनम, उप प्रधान सोमवीर, सुदेश हुड्डा, बबीता दहिया सहित सहित अन्य पदाधिकारी और सक्रिय सदस्य शामिल हुए।

अमरनाथ यात्रियों के लिए लगाए भंडारे में रोज आ रहे हजारों यात्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

श्रीशिव सेवक मंडल द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अमरनाथ बाबा का 14वां विशाल भंडारा पंथा चौक, श्रीनगर जम्मू कश्मीर में शुरु कर दिया गया है। तीन जुलाई से चल रहे भंडारे पर रोजाना दो से ढाई हजार श्रद्धालु भोजन ग्रहण कर रहे हैं। याद रहे 25 जून को पंजाबी भवन, सेक्टर 14 से खाद्य सामग्री से भरे तीन ट्रकों सहित चार वाहनों को अमरनाथ के लिए रवाना किया गया था। हिसार से अमरनाथ भंडारे में सेवा करने के लिए गए लगभग दो दर्जन सेवादार ड्यूटी दे रहे हैं। मंडल के सरपरस्त व वयोवृद्ध समाजसेवी रामबख्श असीजा व मंडल के प्रधान डॉ. महिपाल मुंजाल ने बताया कि भंडारे में विभिन्न तरह की सब्जियां, स्नेक्स, चाय, दूध, पानी, मिष्ठान के अलावा यात्रियों के आराम करने की पूरी सुविधा तथा चिकित्सा सेवा भी की जा रही है।

सेवादार जगदीश रहेजा ने बताया कि भंडारे में रोजाना शुद्ध सात्विक तथा विभिन्न तरह के पकवान यात्रियों की सेवा में परोसे जा रहे हैं। दिन भर डीजे पर चलते शिव भजनों पर पुरुष हो या महिला, खूब झूम-झूम कर बाबा शिव के जयकारे लगा रहे हैं। तीन दिनों में 35 हजार से अधिक श्रद्धालु बाबा अमरनाथ बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। इस समय भंडारे में हिसार से जगदीश रहेजा के अलावा कुलदीप कुमार, शेंकी, जसबीर, अतुल, हन्नी, विनय कुमार, रामू, गुड्डु हलवाई सहित अन्य सेवादार मोर्चा संभाले हुए हैं।

बालसमंद के विकास के लिए सतत रूप से प्रयास जारी रहेंगे : चंद्रप्रकाश

हिसार । बालसमंद में आयोजित जनता दरबार में लोगों को संबोधित करते विधायक चंद्रप्रकाश।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

- बालसमंद में जनता दरबार लगाकर विधायक चंद्रप्रकाश ने सुनी समस्याएं

विधायक चंद्रप्रकाश ने बालसमंद की जाट धर्मशाला में जनता दरबार लगाकर आदमपुर हलके के लोगों की समस्याएं सुनी। अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। अन्य समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से बातचीत करके निर्देश दिए गए। विधायक चंद्रप्रकाश ने फेरी लगाकर परिवार का पालन-पोषण करने वाले बालसमंद निवासी राजेश कुमार की बेटी सिमरन को माइक्रोसॉफ्ट में उच्च पद पर नौकरी मिलने पर बधाई भी दी।चंद्रप्रकाश ने जनता दरबार के दौरान स्पष्ट किया कि बालसमंद उप-तहसील को तहसील का दर्जा देने एवं बालसमंद पंचायत को ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिस बनाने की मांग उन्होंने सरकार के समक्ष रखी है। विधायक चंद्रप्रकाश ने गांव तेलनवाली में आयोजित फ्री मेगा मेडिकल चैकअप कैंप में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करने आयोजकों का हौसला बढ़ाया। जनता दरबार के उपरांत चंद्रप्रकाश ने गांव बांडाहेड़ी की लाइब्रेरी का निरीक्षण किया।

गुजवि के पांच छात्रों को मिला प्लेसमेंट

हिसार । चयनित विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से पीआर पैकेजिंग के ई-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, बीटेक पैकेजिंग टेक्नोलॉजी और बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग कार्यक्रमों के पांच विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई व कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। प्लेसमेंट प्रक्रिया के भाग के रूप में, पीआर पैकेजिंग की एचआर मैनेजर रितिका मिश्रा द्वारा एक जानकारीपूर्ण प्री-प्लेसमेंट सत्र आयोजित किया गया। प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने बताया कि बहुचरणीय प्लेसमेंट प्रक्रिया में प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें प्री-प्लेसमेंट टॉक, समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार शामिल रहे - जो पूर्णत्या वर्चुअल मोड में आयोजित किए गए। सहायक निदेशक प्लेसमेंट डॉ. आदित्य वीर सिंह ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों में बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी से तपसीर, विवेक और ऋषिकेश प्रताप पाल, बीटेक पैकेजिंग टेक्नोलॉजी से गोगेला दिलीप कुमार; तथा बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग से पवन शामिल रहे। इस अभियान का कुशल समन्वय बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थी अनुराग अरोड़ा ने किया।

हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही भाजपा सरकार : डॉ. आशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार हर क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के जनहितैषी कार्यों से प्रदेश का हर वर्ग खुश है। उन्होंने हाल में सरकार की ओर से ग्रुप डी में भर्ती किए गए उम्मीदवारों को बधाई दी और कहा कि सभी उम्मीदवार अपना कार्य कुशलता से करें। डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि हाल ही में प्रदेश सरकार ने डी ग्रुप के युवाओं की भर्ती करके उन्हें पारिवारिक, आर्थिक व सामाजिक रूप से राहत प्रदान की है। इसके लिए सभी चयनित युवा बधाई के पात्र हैं। इससे पहले सरकार ने एचकेआरएन कर्मियों का वेतन 5 प्रतिशत बढ़ाया था वहीं खिलाड़ियों को भी राहत देने वाले फैसले किए हैं। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग को केवल मात्र भाजपा से ही आस है क्योंकि युवाओं की असली पीड़ा व जरूरत को भाजपा ने ही समझा है।

डाक सेवाओं की दी जानकारी, महिलाओं से सुकन्या खाता खोलने की अपील

ढाणी कुतुबपुर में सुकन्या समृद्धि योजना पर जागरूकता कार्यक्रम

- महिलाओं को योजना और डाक विभाग की अन्य सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। ग्रामीण महिलाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ तथा सुकन्या योजना की जानकारी देती आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ऋतू।

हांसी उपमंडल के गांव ढाणी कुतुबपुर स्थित डाकघर में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के अंतर्गत भारतीय डाक विभाग हरियाणा परिमंडल की ओर से सुकन्या समृद्धि योजना को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण महिलाओं को योजना और डाक विभाग की अन्य सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस विशेष जागरूकता कार्यक्रम को ग्रामीण डाक सेविका संतोष देवी और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ऋतू ने मिलकर सफलतापूर्वक संपन्न किया। कार्यक्रम अधीक्षक डाकघर हरीश वर्मा, सहायक अधीक्षक मनदीप सिंह और रामबिलास के दिशा-निर्देश में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं को सुकन्या समृद्धि योजना, बचत खाता, जीवन बीमा, और पार्सल सेवा जैसी डाक विभाग की विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं से अवगत कराया गया।कई महिलाओं ने मौके पर ही योजना से जुड़ने की इच्छा जताई।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ऋतू, सरिता, कृष्णा, मोनिका, मीना, सुमन सहित काफी संख्या महिलाएं मौजूद रहीं।

खबर संक्षेप

रामलीला कमेटी का बकाया राशि लेने का कार्य स्थगित

हिसार। श्री रामलीला कमेटी, कटला में आजीवन सदस्यों से वार्षिक अंशदान एवं बकाया राशि एकत्रित करने की प्रक्रिया को आगामी आदेशों तक स्थगित कर दिया गया है। कमेटी के प्रशासक एनके गोयल ने बताया कि यह निर्णय जिला रजिस्ट्रार, फॉर्म्स एंड सोसाइटीज़, हिसार से प्राप्त पत्र के अनुसार अंशदान संग्रहण के लिए अधिकृत किए गए निवर्तमान रमेश लोहिया को लेकर कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए फिलहाल यह कार्य स्थगित किया गया है। गोयल ने स्पष्ट किया कि जब तक नई व्यवस्था तय नहीं हो जाती, तब तक किसी भी प्रकार का वार्षिक अंशदान या बकाया राशि संग्रहण नहीं किया जाएगा।

सुदर्शन क्रिया फ़ॉलोअप का आयोजन आज

हिसार। आर्ट ऑफ लिविंग हिसार इकाई की ओर से 6 जुलाई को साधकों को आध्यात्मिक पथ पर आरूढ़ रखने के लिए श्री श्री रविशंकर जी की पवित्र वाणी में दिव्य-सुदर्शन क्रिया फ़ॉलोअप का आयोजन किया जाएगा। योग, प्राणायाम, सुदर्शन क्रिया तथा गुरु-ज्ञान जैसे दिव्य गुणों से सुसज्जित सत्र दो स्थान भारत माता मंदिर में प्रातः 6:30-8:30 एवं आर्ट ऑफ लिविंग हैप्पीनेस सेंटर, सेक्टर-14, पार्ट-2 में प्रातः 6 से 8 बजे तक आयोजित किए जाएंगे जिसका संचालन स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर नीरज गुप्ता एवं विजय शर्मा करेंगे।

बीड़ बबरान धाम में श्याम बाबा का गुणगान आज

हिसार। प्रसिद्ध बीड़ बबरान धाम में 6 जुलाई को धूमधाम से संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। सायं 4 बजे से रात्रि 7 बजे चलने वाले इस संकीर्तन में विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु हिस्सा लेंगे और श्याम बाबा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करेंगे। बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा ने बताया कि संकीर्तन के दौरान दूर-दूर के क्षेत्रों से आए श्रद्धालु श्याम बाबा के दरबार में माथा टेककर और आराधना करते हुए अर्जी लगाते हैं। उन्होंने बताया कि इस संकीर्तन के दौरान सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद अवश्य पूरी होती है। इस अवसर पर विभिन्न गायक भजनों के माध्यम से श्याम बाबा की महिमा का गुणगान भी करेंगे।

अभिमन्यु व रोनक ने वॉक रेस में मारी बाजी

आदमपुर। गांव सदलपुर स्थित श्री पीपासर सीनियर सैकेंडरी स्कूल के छात्र अभिमन्यु व रोनक ने जिलास्तरीय वॉक रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम व द्वितीय स्थान पर कब्जा जमाया। एथलीट कोच महेंद्र शीला ने बताया कि महाबीर स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय खेल महाकुंभ का आयोजन किया गया। इस दौरान 20 किलोमीट वॉक रेस में विद्यालय के छात्र अभिमन्यु ने प्रथम व रोनक ने द्वितीय स्थान पर कब्जा जमाया। महेंद्र शीला ने बताया कि छात्र अभिमन्यु अब पंचकूला में होने वाली राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगा। विद्यालय संचालक सुभाष गोदारा, सुमन गोदारा, प्राचार्या ललिता शर्मा, रामकुमार सहित स्टाफ सदस्यों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

राजा श्रीपाल की बेटी अमृती ने आमटी झील में डूब कर दी थी जान

सुकून का ठिकाना रही आमटी झील अपनी बदहाली पर बहा रही आंसू

हांसी की शान, सैर-सपाटे के लिए मशहूर रही है, आमटी झील में पसरी गंदगी, दीवारों पर रखे हैं गोबर के उपले, झील परिसर में भैंसे हैं बंधी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

कभी हांसी की शान और शहरवासियों के लिए सैर-सपाटे और सुकून का ठिकाना रही आमटी झील आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है झील के आस-पास और झील के अंदर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। मुख्य गेट की हालत इतनी खस्ता हो चुकी है कि अब लोग यहां घुमना तो दूर झील के पास से गुजरने से भी कतराते हैं। आलम यह है कि आस-पास रहने वाले लोगों ने झील परिसर को अब पशुओं को बांधने का स्थान बना लिया है। झील के चारों ओर गोबर के ढेर लगे हुए हैं। झील की दीवारों पर गोबर से बनाए उपले रखे हुए हैं। झील की साफ-सफाई और देखरेख के नाम पर नगर परिषद की यहां सक्रियता नहीं नजर आती।

हांसी। आमटी झील परिसर में बंधे पशु। फोटो : हरिभूमि

हांसी। आमटी झील परिसर में फैली गंदगी व गोबर के ढेर। फोटो : हरिभूमि

सरकार और प्रशासन की नाकामी

पूर्व मंत्री सुभाष गोयल ने कहा कि सरकार और प्रशासन की नाकामी है जो आज आमटी झील की यह हालत है। उद्घाटन के बाद यह झील लोगों के आकर्षण का केंद्र थी। उनके कार्यकाल में शहर में आवारा पशुओं और सीसी सड़कों का निर्माण कार्य भी उसी समय करवाया गया था। अब विकास के नाम पर सिर्फ बातें बकाया है।

एक महीने का समय दो : एसडीएम

आमटी झील के संदर्भ में जब एसडीएम राजेश खोथ से बात की गई तो उनका कहना था कि एसपी अमित यशवर्धन से मिलकर आमटी झील का माहौल सुधारने की कोशिश करेंगे। साथ ही झील में फैली गंदगी व कचरे को उठवा कर झील के आस-पास के क्षेत्र में हरियाली पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा की जिन लोगों ने झील परिसर में अपने पशु बांधे हुए हैं उन्हें भी समझाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि एक महीने के अंदर आमटी झील की तस्वीर बदली हुई नजर आएगी।

मार्च 2023 में तोड़ा था नारियल

आमटी झील के सौंदर्यकरण और झील के पानी निकासी के लिए बनाए जाने वाले नाले का नारियल तोड़कर उद्घाटन किया था। विधायक विनोद भ्याना द्वारा नारियल तोड़ने के दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद झील की स्थिति में सुधार होने की बजाय इसकी स्थिति ओर ज्यादा बिगड़ी हैं।

आमटी झील का इतिहास

आमटी झील का इतिहास काफी पुराना है। इतिहासकारों के अनुसार यह आमटी झील पहले एक तालाब के रूप में थी। तालाब के पास एक प्राचीन हनुमान मंदिर भी है। इतिहासकारों के अनुसार हांसी में 1038 ई. में यहां पर राजा श्रीपाल का शासन था। तब तुर्क सेना ने यहां हमला किया और राजा श्रीपाल के परिवार को मौत के घाट उतार दिया। राजा श्रीपाल की बेटी अमृती ने सरोवर में कूदकर अपनी जान दे दी थी। अमृती के तालाब में कूद कर जान दिए जाने के बाद इसे अमृती तालाब के नाम से जाना जाने लगा और बदलते समय के अमृती तालाब को आमटी के नामा से जाना जाने लगा।

उद्घाटन हुआ था शान से, अब शून्य में तब्दील

यहां सबसे गौरतलब बात यह है कि इनेलो सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने 25 जनवरी 2004 को पुनर्निर्मित आमटी झील का भव्य उद्घाटन किया था। शुरुआती सालों में झील की हरियाली, बेंच, लाइटिंग और नौकायन की व्यवस्था ने लोगों को अपनी ओर खूब आकर्षित किया था। लेकिन आज वह सारी रौनक गायब हो चुकी है।

इंडस पब्लिक स्कूल में वन महोत्सव आयोजित

हिसार। पौधे वितरित करते प्रिंसिपल नीलम राठी। फोटो :हरिभूमि

■ जीवंत प्रदर्शनों और हृदयस्पर्शी संदेशों से भरी सभा का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| !हिसार

इंडस पब्लिक स्कूल ने प्रकृति के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जीवंत प्रदर्शनों और हृदयस्पर्शी संदेशों से भरी एक विशेष सभा का आयोजन किया। छात्रों ने प्रभावशाली भाषण दिए और एक विचारोत्तेजक नाटक का मंचन किया, जिसमें पेड़ों के महत्व और हमारे ग्रह की रक्षा करने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। उनके उत्साह और रचनात्मकता ने वास्तव में उपस्थित सभी लोगों को प्रेरित किया। एक हरियाली भरे कल के प्रति प्रतिबद्धता के एक सुंदर संकेत में प्रिंसिपल नीलम राठी ने माता-पिता को पौधे वितरित किए। उन्होंने पौधे को अपने घर पर लगाने तथा उनकी देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए। इसलिए हम सभी इस नेक काम में हाथ मिलाएं और पर्यावरण बचाओ, जीवन बचाओ के लिए हर दिन छोटे-छोटे कदम उठाएं।

हिसार। पौधरोपण करते विद्यार्थी।

पूर्व छात्र नवदीप को मिला स्कूल में सम्मान

उकलाना। कृष्णा देवी गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के प्रतिभाशाली पूर्व छात्र नवदीप आर्य को जेईई मैन्स 2025 में 99.3 प्रतिशत एवं अखिल भारतीय रैंक 11015 प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की निदेशक काजल धायल एवं प्राचार्य जे.पी. पांडे ने की। इस अवसर पर नवदीप आर्य का विद्यालय परिवार की ओर से फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया गया तथा उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में मनाया ब्लू डे

हांसी। ब्लू डे पर बच्चों को पानी के महत्व की जानकारी देती अध्यापिका। फोटो : हरिभूमि

हांसी। एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शनिवार को ब्लू डे मनाया गया। इसमें प्री नर्सरी से यूकेजी तक के बच्चों ने जल संरक्षण, आकाश की स्थिरता, समुद्र की गहराई आदि विषयों पर कविता पाठ व डांस में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर बच्चों व अध्यापिकाओं द्वारा नीले रंग के वस्त्र धारण किए गए। इस अवसर पर प्राचार्या रितु सिंह ने बताया नीला रंग आकाश और समुद्र का रंग है। नीला रंग विश्वास, निष्ठा, ज्ञान, आत्मविश्वास, बुद्धि और सच्चाई का प्रतीक है। इस अर्थ को समझाने के लिए इस तरह की गतिविधियां करनी अत्यंत आवश्यक है। खेल-खेल में बच्चे सुगमता से अर्थ को समझ लेते हैं। इसे बच्चों को जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण का भी ज्ञान प्राप्त होता है। प्रबंधक समिति के प्रधान सज्जन अग्रवाल, नकुल अग्रवाल, चंद्रभान गर्ग व रजत अग्रवाल ने ब्लू डे पर छात्रों को जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विद्यार्थियों ने लिखी सुंदर पंक्तियां और संदेश लगाकर वृक्षों का महत्व समझाया

■ आरपीएस पब्लिक स्कूल में शनिवार को वन महोत्सव का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

आरपीएस पब्लिक स्कूल में शनिवार को वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय परिसर में पौधरोपण से की गई। जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने मिलकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कई पौधे लगाए। इससे न केवल विद्यालय का वातावरण हरा-भरा होगा बल्कि छात्रों में पर्यावरण संरक्षण की भावना भी जागृत होगी।

इस अवसर पर प्रतिज्ञा दीवार भी तैयार की गई जिसके ऊपर विद्यार्थियों द्वारा लिखी गई सुन्दर पंक्तियां व संदेश लगाए गए और वृक्षों के महत्व को दर्शाया। यह पर्यावरणीय दृष्टिकोण से प्रेरणादायक पहल कार्यक्रम की मुख्य विशेषता रही।

हांसी। पौधरोपण के लिए अपने हाथों में पौधे लिए विद्यार्थी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुपम गोयल व मुख्याध्यापिका पूजा राणा ने बच्चों को पौधे वितरित किए और कहा कि वन महोत्सव का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना है।

सेंट ज़ेवियर्स के छात्र अमरन ने जीता रनर अप का खिताब

उकलाना। रनर अप का खिताब जीतने वाला छात्र अमरन सिंह गिल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उकलाना

सेंट ज़ेवियर्स स्कूल की सातवीं कक्षा के छात्र अमरन सिंह गिल ने टीवी रियलिटी शो किसमें कितना है दम के ग्रैंड फिनाले में गटका श्रेणी में द्वितीय रनर अप बनकर अपने स्कूल, माता-पिता और समुदाय का नाम गर्व से रोशन किया है। सिर्फ 18 दिनों के गहन गटका प्रशिक्षण के बावजूद, अमरन ने असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए चार चुनौतीपूर्ण राउंड सफलतापूर्वक पार किए और ग्रैंड फिनाले तक पहुंचे। उनकी शानदार प्रस्तुति ने उन्हें न केवल ट्रॉफी दिलाई, बल्कि जजों और दर्शकों का दिल भी जीत लिया और उनके माता-पिता को गौरवान्वित कर दिया।

अमरन को यह प्रशिक्षण भाई गुरजिंदर सिंह द्वारा मोहाली में प्रदान किया गया, जिन्होंने अपने शिष्य की इस उपलब्धि पर अत्यंत गर्व व्यक्त किया।

कल्पना चावला समर्थ किशोरी विकास केंद्र शुरू

■ प्रथम सत्र में सुधा सैनी ने संस्कार पर प्रकाश डाला, दूसरे सत्र में संतुलित आहार के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

ऋषि नगर स्थित दिव्यांग पुनर्वास एवं स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को कल्पना चावला समर्थ किशोरी विकास केंद्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में प्रथम सत्र में सुधा सैनी ने संस्कार पर प्रकाश डाला। इसी प्रकार दूसरे सत्र में डॉ. अनिशा महाजन ने बालिकाओं को संतुलित आहार व सुपोषण के बारे में विस्तार से बताया। तीसरे सत्र में डॉ. संगीता गिरधर ने बालिकाओं को महिलाओं से संबंधित बीमारियां, कारण और निराकरण पर चर्चा की। वहीं, अंतिम सत्र में मधु गोयल ने योग और उसके महत्व पर प्रकाश डाला। सेवा भारती के नगर अध्यक्ष डॉ. सुदर्शन सोनी ने मंच का संचालन किया और समर्थ किशोरी केंद्र के महत्व के बारे में जानकारी दी। प्रांत उपाध्यक्ष बृजलता कंबोज ने सेवा भारती की ओर से चल रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण। फोटो :हरिभूमि

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भीमसेन बंसल, जिला संयोजिका डॉ. शिल्पा सर्राफ, जिला सचिव अंबिका प्रसाद, नरेंद्र वार्ष्णेय, प्रेम प्रकाश, संजीव भाटिया, डॉ. पूनम, सुनहेरी देवी आदि मौजूद रही। अंबिका प्रसाद ने बताया कि कल्पना चावला समर्थ किशोरी विकास केंद्र का शुभारंभ दिव्यांग केंद्र पुनर्वास एवं स्वास्थ्य केंद्र में चल रही लाइब्रेरी में पढ़ रही बालिकाओं के लिए किया गया है।

चार साल के संगम ने पौधरोपण अभियान से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

■ राजकीय महाविद्यालय, आकाशवाणी केंद्र तथा राजकीय आईटीआई परिसर में लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सिर्फ चार साल की उम्र में जब बच्चे खेलकूद में व्यस्त रहते हैं, वहीं एलकेजी छात्र संगम ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय पहल की है। संगम ने 15 पौधे लगाकर न केवल हरियाली बढ़ाई, बल्कि समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया। यह पौधे राजगढ़ रोड स्थित राजकीय महाविद्यालय, आकाशवाणी केंद्र तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर में लगाए गए।

हिसार। अपने माता-पिता के साथ पौधरोरण करता संगम।

संगम के पिता राजकीय महाविद्यालय में प्रो.मनोज कुमार व माता संगीता ने बताया कि बच्चों को बचपन से ही स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारियों की शिक्षा देना बेहद जरूरी है ताकि वे भविष्य में जागरूक, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकें।

प्रो. मनोज कुमार ने संगम के इस पौधरोपण अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक कुमार सैनी, आकाशवाणी हिसार के निदेशक पवन कुमार तथा आईटीआई की प्राचार्या प्रेम किरण का आभार व्यक्त किया।

हांसी। नेशनल सोलो डांस ऑडिशन में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में किया नेशनल सोलो डांस आडिशन का आयोजन

हांसी। यदुवंशी स्कूल में शनिवार को कल के कलाकार नेशनल सोलो डांस ऑडिशन का आयोजन किया गया। आडिशन में पहली से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने अपना नृत्य कौशल दिखाया। इस आयोजन में कई प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर के लिए क्वालीफाई कर विद्यालय और अपने अभिभावकों को गौरवान्वित किया। कल के कलाकार नेशनल सोलो डांस ऑडिशन का अगला चरण यदुवंशी शिक्षा निकेतन हांसी में ही आयोजित किया जाएगा और इसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है । इस डांस प्रतियोगिता के विजेताओं को कुल 1 लाख रुपये तक के इनाम दिए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में छिपी कला प्रतिभा को मंच प्रदान करना और आत्मविश्वास को बढ़ाना था। ऑडिशन के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी नृत्य प्रस्तुति से सभी उपस्थित परिजनों और निर्णायक मंडल के सदस्यों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

चौ. देवीलाल के समय था इनेलो, अब कहां : पूर्व मंत्री

सितंबर-अक्टूबर माह में करूंगा बड़ी रैली : रणजीत सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राज्य के पूर्व मंत्री रणजीत सिंह का कहना है कि इनेलो को केवल चौ. देवीलाल के समय में थी जब पूरा देश उनके पीछे था। वे चौटाला गांव में बैठकर देश के प्रधानमंत्री, उप प्रधानमंत्री व राज्यों के मुख्यमंत्री तय करते थे, अब ऐसा कुछ नहीं है। रणजीत सिंह शनिवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।पूर्व बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने दावा किया कि वे सितंबर-अक्टूबर में बड़ी रैली करेंगे, जिसमें एक लाख से अधिक लोग पहुंचेंगे। यह रैली हिसार या फिर सिरसा में की जाएगी। वे खुद की पार्टी बनाएंगे या फिर किस पार्टी में शामिल होंगे यह कार्यकर्ता खुद करेंगे। पिछले चुनाव में कांग्रेस की हार व भाजपा के तीसरी बार सत्ता में आने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अंदरूनी कलह का नुकसान हुआ। यदि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा व सैलजा इकट्ठे होते तो रिजल्ट कुछ और ही होता लेकिन अब कुछ और हुआ है।

भूपेंद्र हुड्डा पूर्ण रूप से भाजपा के एजेंट : अभय चौटाला

हिसार। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने आरोप लगाया कि विपक्ष सत्ता पक्ष के हाथों में खेल रहा है। भूपेंद्र हुड्डा पूर्ण रूप से भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। आज प्रदेश में आम चर्चा है कि लोग भाजपा को सत्ता से बाहर करना चाहते थे लेकिन भूपेंद्र हुड्डा और उनके बेटे ने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनवा दी। आज कांग्रेस हाशिए पर है। अभय चौटाला शनिवार को अग्रसेन भवन में पार्टी की तरफ से आयोजित हिसार जोन प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करने के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इनेलो नेता चौटाला ने कहा कि कांग्रेस को संगठन बनाने के लिए राहुल गांधी चंडीगढ़ में 30 जून की डेडलाइन देकर आए थे आज 5 जुलाई हो गई। कांग्रेस की हालत इतनी खराब है कि जिला के अध्यक्ष बनाने के लिए राष्ट्रीय नेता को दखल देना पड़ रहा है उसके बाद भी आजतक संगठन नहीं बना है। राहुल गांधी ने स्वयं ये कहा है कि कुछ लोग कांग्रेस में ऐसे हैं जो बीजेपी से मिले हुए हैं। विपक्ष कमजोर होने के कारण बिजली के बिल बढ़ा दिए, हमारे हिस्से का पानी पंजाब ने रोक दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि पार्टी का नया संगठन बनाया गया है और संगठन में जिन नए लोगों को शामिल किया है उनको नई जिम्मेवारी से अवगत करवाने के लिए और कैसे संगठन को आगे लेकर जाना है, संगठन में किस की क्या जिम्मेवारी है उसके लिए प्रशिक्षण शिविर लगाया है। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव प्रकाश भारती, राज्य संगठन सचिव एवं विधायक अदित्य चौटाला, उमेद सिंह लोहान, सुनैना चौटाला, तनुजा कश्यप, डॉ. सतवीर सैनी, जयबीर गोदारा, सतपाल काजला, साहिल दीप कस्वां, बलबीर सिहाग एवं विनोद कस्वां एडवोकेट मौजूद रहे।

हिसार। प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला। फोटो :हरिभूमि

विशेषः विश्व जनसंख्या दिवस
11 जुलाई

पिछले दो-तीन दशकों में शहरी जनसंख्या के अनियंत्रित रूप से बढ़ने की वजह से लोगों का जीवन समस्याओं से घिरता जा रहा है। इससे साफ हवा-पानी की कमी, ट्रैफिक जाम, रहने के लिए असुविधाजनक आवास समेत कई तरह की परेशानियों के साथ लोग जीने के लिए बाध्य हैं। आने वाले वर्षों में उत्पन्न होने वाले गंभीर संकटों से बचने के लिए इन चुनौतियों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

जीवन कठिन बना रही शहरों की बढ़ती जनसंख्या

कवर स्टोरी/शैलेंद्र सिंह

भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने लोगों के लिए आर्थिक अवसर तो पैदा किए हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि इससे लोगों के जीवन की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है। यानी बढ़ते शहरीकरण ने शहरों में रहने वाले लोगों के जीवन को बहुत तकलीफदेह बना दिया है। ये पूरी दुनिया की समस्या नहीं बल्कि भारत और कुछ अन्य विकासशील देशों की ही है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप में बांग्लादेश और पाकिस्तान भी शामिल हैं।

शहरों में नागरिक सुविधाओं की कमी

आजादी के बाद देश में तेजी से शहरीकरण बढ़ा और इस दौरान शहर, देश के आर्थिक अवसरों का केंद्र बन कर भी उभरे। लेकिन भारत में शहरों की तरफ गांवों से बहुत तेज पलायन हुआ, जिसने शहरों में जीवन जीने की स्थितियों को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। नागरिक सुविधाओं का देश के लगभग हर शहर में अभाव है। आज देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जो पूरी तरह साफ-सुथरा, खुला-खुला और नागरिक सुविधाओं से भरपूर हो। हर शहर में कुछ इलाके तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन सभी शहरों के ज्यादातर हिस्से सुविधाओं की नजर से समस्याओं से ग्रस्त दिखते हैं। चाहे मुंबई हो, दिल्ली हो, बेंगलुरु हो या हैदराबाद। देश और दुनिया के ये बड़े-बड़े शहर आज बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के गढ़ तो हैं, लेकिन इन बड़े शहरों में बहुसंख्यक लोग भीषण परेशानियों के बीच रह रहे हैं।

अनियोजित शहरीकरण

अपने देश में 80 के दशक के बाद से इतना तेज शहरीकरण हो रहा है कि देश का कोई भी शहर अपनी बढ़ने वाली जनसंख्या को ध्यान में रखकर नगर नियोजन का काम नहीं कर पा रहा है। हर शहर अगले 10 सालों तक जितनी

जनसंख्या का अनुमान लगाकर नियोजन करता है, जनसंख्या हमेशा उससे दो से तीन गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि भारत के सभी बड़े शहर अनियोजित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां तक कि कानपुर, लुधियाना, भोपाल, अमृतसर, कोल्हापुर और राजकोट जैसे मझौले शहर भी जनसंख्या के दबाव से इस कदर अव्यवस्थित हो गए हैं कि इनकी आधारभूत संरचना के मुकाबले कई गुना ज्यादा इन पर जनसंख्या का दबाव है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगर लाख प्रयासों के बावजूद पिछले कई दशकों में अपने शहर की झुग्गी बस्तियां नहीं खत्म कर सके और न ही इन झुग्गी बस्तियों को साफ पानी, सीवर या बिजली की सुविधा दे सके हैं।

बढ़ते ट्रैफिक में फंसे शहर

आवास और बिजली, पानी की समस्या तो शहरों में है ही, लगभग सभी शहर आज सबसे बड़ी जिस समस्या से जूझ रहे हैं, वह है-सड़कों पर वाहनों की बेतहाशा वृद्धि। अंधाधुंध बढ़े वाहनों के कारण बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहर तो थम से गए हैं। बेंगलुरु में पीक आवर्स में सड़कों पर यातायात बिल्कुल रेंगता है। 10 किलोमीटर की दूरी अकसर लोग कार से डेढ़ से दो घंटे में तय कर पाते हैं। यहां की सड़कें बिल्कुल चोकड हो गई हैं, उन पर क्षमता से 300 फीसदी से ज्यादा वाहन दौड़ रहे हैं। इसीलिए आज वहां की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक की है। इससे भी खराब दशा मुंबई की है। मुंबई में पीक आवर्स में सड़क यातायात की रफ्तार 5 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। कमोवेश सभी शहरों का यही हाल है। यही वजह है कि आज हर एक घंटे में भारत के सिर्फ शहरों में 150 से लेकर 180 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं।

नागरिक सुविधाओं का अभाव

देश में बड़े शहर तेजी से फैल रहे हैं, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, कचरा प्रबंधन, सीवर और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं हर किसी के लिए नहीं हैं। सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही हैं। शहरों की कुछ कालोनियों में ही नियमित रूप से साफ पानी आता है, सड़कें सपाट और चौड़ी हैं, स्कूल, अस्पताल आदि की सुविधाएं हैं। जबकि शहरों के बड़े हिस्से इन सुविधाओं से वंचित हैं। यही कारण है कि नागरिक सुविधाओं के नजरिए से देश के बड़े शहरों में पर्यावरणीय संकट भी विकट है। पिछले दो दशकों में लाखों की तादाद में पेड़ काटे गए हैं। बस्तियों के बीच मौजूद तालाब, नाले आदि सब पाट दिए गए हैं। शहरों के बीच से बहने वाली नदियों को सीवर में तब्दील कर दिया गया है। यही कारण है कि देश के बड़े शहर, वायु प्रदूषण, जल भराव, हीट वेव और घटते भू-जल स्तर की समस्याओं से दो चार हैं।

जीवन की गुणवत्ता में गिरावट और तनाव

देश के शहरों में आम लोगों का जीवन जिंदगी की गुणवत्ता से जंग कर रहा है। बहुसंख्यक शहरी लोगों के जीवन में मजबूत सामाजिक संबंध नहीं रहे। समय और जगह की कमी है। मानसिक बीमारियों का रेला है और खालीपन व असुरक्षा का लगातार घेरा बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण लोगों के आम जीवन में जबर्दस्त सामाजिक तनाव और असमानता व्याप्त है। कुल मिलाकर भारत में पिछले चार दशकों में जनसंख्या का जो तेज शहरीकरण हुआ है, उसके कारण हमारे शहरों की व्यवस्था को बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। *

कोठरियों में रहते लोग

यूं तो हर शहर में कुछ चमचमाती हुई इमारतें होती हैं, कुछ बड़े-बड़े बंगले होते हैं। लेकिन शहरों का 70 से 75 फीसदी हिस्सा घरों का नहीं, कोठरियों या छोटे-छोटे दड़बों का जंगल बन गया है। मध्यम और निम्न वर्ग के लिए सस्ते घरों में गरिमामय आवास की कल्पना नहीं की जा सकती। मुंबई में तो 250 से 300 फीट के एक कमरे वाले फ्लैट लेना भी सपने जैसा हो चुका है, क्योंकि ये छोटे-छोटे दड़बे भी 40 से 50 लाख रुपए के मिलते हैं। भारत के लगभग सभी शहरों में प्राइवेट बिल्डर फ्लैट्स और कॉलोनियों की भरमार है, जहां रहने के लिए आवास को गरिमामय बनाने का कोई मापदंड नहीं है। यहां झुग्गियां, किराए के लिए मकान और अनधिकृत कॉलोनियों की अंतहीन रेंज हैं। दिल्ली में 80 से 90 लाख लोग अनधिकृत कॉलोनियों में और 30 से 35 लाख लोग झुग्गी बस्तियों में रहते हैं। जहां लोगों को न तो भावनात्मक सुरक्षा है और न ही मनोवैज्ञानिक निजता।

बदलाव / नरेंद्र शर्मा

इसमें संदेह नहीं कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में एआई की घुसपैठ बढ़ रही है। साहित्य, संगीत और कला में भी इसकी एंट्री हो चुकी है। लेकिन लाख कोशिश के बाद भी इससे निर्मित आर्ट प्रोडक्ट, हमारे मन को स्पर्श नहीं कर पाता है।

मन को नहीं छू पाता एआई का आर्ट प्रोडक्ट

आज पूरी दुनिया में इस आशंका का सवाल गहराता जा रहा है कि क्या एआई, कला से उसकी स्वाभाविक कल्पनाशीलता, मौलिकता और कलात्मकता छीन रही है? दरअसल, कला का मूल स्वभाव सृजन है। ऐसा सृजन, जो व्यक्ति की भावनाओं, संवेदनाओं, अनुभवों और कल्पनाओं से उपजता है। चित्रकला, संगीत, साहित्य, मूर्तिकला या रंगमंच। ये सभी विद्याएं मानवीय कल्पना शक्ति का विस्तार हैं। विविध रूपीय विस्तार। लेकिन अब एआई द्वारा कुछ ही सेकेंड में चित्र बनाए जा रहे हैं, कहानियां लिखी जा रही हैं, संगीत रचा जा रहा है, तो क्या ये सारी एआई से पैदा होने वाली कलाएं उस मानवीय कल्पनाशीलता की बराबरी करती हैं? यह सवाल इसलिए भी जरूरी है कि अगर वास्तव में ऐसा होता है तो लगता है कि आजतक के मानव विकास क्रम को मशीन यानी एआई ने एक झटके में अर्थहीन कर दिया है। लेकिन यह सोचना सही नहीं है।

भावनाहीन होते हैं एआई प्रोडक्टः एआई टूल हजारों पुराने चित्रों के डेटा के आधार पर नई पेंटिंग क्षणभर में बना दे रहे हैं। आप अगर इन एआई टूल्स से कहते हैं कि एक महिला जो समुद्र की लहरों से बनी है और जिसकी आंखों में तारे झिलमिला रहे हैं, ऐसी पेंटिंग बनाओ तो ये टूल्स एक क्षण में यह पेंटिंग्स बना करके हाजिर कर देंगे। लेकिन क्या ये पेंटिंग्स उस कलाकार की पेंटिंग जैसी होगी, जो समुद्र किनारे अपना पेंटिंग स्टैंड लगाए घंटों लहरों से आंखमिचौली करते हुए अपनी कल्पना में रंग भरता है। जी नहीं, बिल्कुल नहीं होगी। इस कलाकार की पेंटिंग्स में जो कलाकृति उभर कर आएगी, वह भावनाओं से संवाद करेगी। एआई की कल्पना ऐसा नहीं कर सकती। कलाकार की बनाई गई पेंटिंग संभावनाओं का आंकड़ा नहीं होगी, क्योंकि वह पहले से दुनिया में मौजूद किसी पेंटिंग की प्रतिकृति नहीं गढ़ रहा होगा, उसके मन में एक नई ही छवि मूर्तवत हो रही होगी, जो पहले नहीं होगी। जिसकी आंखों में कलाकार की भावनाएं, संवेदनाएं सब कुछ बोल रही होंगी। लेकिन एआई को यह सब नहीं करना। उसे अपने डाटा स्टोर में मौजूद आंकड़ों के मेल से एक नई फोटो कॉपी भर गढ़नी है। फर्क सिर्फ इतना होगा कि एआई किसी एक कलाकृति की बजाय बहुत सी कलाकृतियों को आपस में मिक्स करके उनसे एक नई कलाकृति निर्मित करने का भ्रम भर रचेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि एआई कला का पुनरोत्पादन तो कर सकता है पर कला सृजन नहीं कर सकता। इसलिए एआई कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता नहीं छीन सकता।

अनुभूति को नहीं दे सकता शब्दः अब जीपीटी मॉडल हिंदी और अंग्रेजी में आदेश पर कविताएं लिख रहे हैं। मसलन, आप उनसे कहें एक प्रेम कविता लिखो, जिसमें बारिश भी हो, मन का उल्लास भी हो, तारे सितारे छूने की कल्पनाशीलता भी हो, तो वह शब्दों के उस ढांचे में जिसे कविता कहना कहीं से उचित नहीं होगा, में डाल तो देगा, लेकिन वे शब्द कभी दिल को नहीं छुएंगे। यह एक किस्म की मशीनी शब्द उत्पाद होगा। ऐसी कविता न कवि को खुशी देगी और न ही कविता सुनने वालों को कहीं से प्रेरित कर सकेगी। अगर यही प्रेम कविताएं होंगी, तो फिर कविता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। इसलिए एआई कुछ भले कर लें या चाहे करता दिखे, लेकिन वह न तो इंसानी भावनाओं की नकल कर सकता है और न ही इंसानी अनुभूति को शब्द या कैनवास में उतार सकता है। एआई के लिए बारिश एक गतिविधि भर है और किसी कवि या कलाकार के लिए बारिश एक समूचा जीवन है, जीवन धड़कन है और उसकी एक-एक बूंद पर उसकी लाखों अनुभूतियों का बसेरा हो सकता है। कवि या कलाकार की रचना केवल शब्दों या रंगों का संगठन भर नहीं होगा, वो अनुभूति की एक जीवंत दुनिया होगी। इसलिए एआई कितनी भी तेज रफ्तारी से कला की प्रतिकृतियां रचने में चौंका रहा हो, पर कभी दिल और दिमाग को झंकृत नहीं कर पाएगी।

बनी रहेगी कला की जीवंतताः एआई के बारे में यही बात संगीत रचना, थिएटर और अभिनय आदि पर भी लागू होती है। एआई का कोई टूल किसी रंगमंच के अभिनेता की जगह नहीं ले सकता। एआई की सजगता, उसकी मशीनी चातुरी कभी किसी नाटक की स्क्रिप्ट की जगह नहीं ले सकती। एआई कला से या कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता या जीवंतता की अनुभूति कभी नहीं छीन सकती। *

जीवनशैली
भूपेंद्र भारतीय

मानव जीवन की सबसे सुंदर विशेषता है, उसे ईश्वर द्वारा मिली अभिव्यक्ति की शक्ति। अभिव्यक्ति को एक शक्ति ही माना जाना चाहिए, जो इस ब्रह्मांड में सिर्फ मानव को पूर्ण रूप में मिली है। लेकिन क्या हम अभिव्यक्ति की इस शक्ति का सही उपयोग कर पाते हैं? यह प्रश्न हमें स्वयं से पूछना चाहिए।

हो सकती हैं कई समस्याएंः सामान्य तौर पर अपनी बात कहना या फिर कुछ बोलना ही अभिव्यक्ति करना कहा जाता है। वहीं कुछ नहीं बोलना मतलब चुप रहना। हालांकि किसी मामले में चुप रहना भी अभिव्यक्ति का ही एक रूप माना जाता है, लेकिन जब जरूरत हो तब अपनी बात, विचार व्यक्त न करना, कई पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म दे सकता है। यही नहीं हमेशा चुप्पी साधे रखना मानसिक रोग की भी वजह बन सकती है। हर इंसान के जीवन में ऐसे अवसर अकसर आते रहते हैं, जब उसे चुप रहना पड़ता है। लेकिन क्या हमेशा चुप रहना, उसके आस-पास के परिवेश के लिए उचित होता है? यह प्रश्न ही यहां सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है, जो चुप्पियों को जन्म देता है। ऐसी चुप्पियां हमें भारी नुकसान पहुंचाती हैं। हमें अंदर से धीरे-धीरे तोड़ती जाती हैं। हमें पल-पल कमजोर करती रहती हैं। सच्चाई यह है कि जरूरत से ज्यादा चुप्पियां, हमें प्रतिपल दीमक की तरह खोखला करती रहती हैं।

हमेशा ना रहें खामोशः प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' का प्रसिद्ध कथन है, 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे?' यह कथन उचित समय पर चुप्पियों को तोड़ने का बल देता है,

सही नहीं हर बात पर साधे रहना चुप्पी

जिस तरह बेवजह और जरूरत से ज्यादा बोलना सही नहीं होता, उसी तरह जरूरत के समय ना बोलना या हमेशा चुप्पी साधे रहना भी नुकसानदेह होता है। इस मामले में सोच-समझकर एक संतुलन की जरूरत होती है।

वहीं यह संदेश भी देता है कि सही बात को बोलना ही चाहिए। भले ही छोटा-मोटा बिगाड़ हो जाए। लाख कोशिशों के बाद भी, एक न एक दिन कितनी भी बड़ी चुप्पी हो उसे तोड़ना ही पड़ता है, नहीं तो वह चुप्पी आपको तोड़ देगी।

हो सकते हैं महाविनाशः चुप्पी के कारण महाभारत जैसे युद्ध तक हो सकते हैं। दुर्योधन और दुःशासन के अनाचार के समय अगर भीष्म, द्रोणाचार्य और धृतराष्ट्र समेत दरबार में उपस्थित अन्य लोगों ने चुप्पी तोड़ दी होती, अनाचार को रोकने के लिए आवाज उठाई होती तो महाभारत कभी नहीं होता। इसी तरह धर्मराज युधिष्ठिर ने अपनी माता कुंती को महाभारत युद्ध के बाद कहा था, 'माता, कर्ण से जुड़ा सत्य आपने छुपाकर बहुत बड़ी गलती कर दी।'

चुप्पी साधने के कारणः चुप्पी साधने के अनेक कारण हो सकते हैं। हम डरते हैं कि हमारे बोलने से कोई नुकसान ना हो जाए। वह फिर मानव संबंधों का मामला हो या फिर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि से जुड़े मामले हों। हमारे सत्य बोलने से किसी को बुरा लग सकता है और हम अपने संबंधों को बिगाड़ना नहीं चाहते, किसी को नाराज नहीं करना चाहते। वास्तव में सत्य डरावना या फिर बुरा नहीं होता है। लेकिन हम सत्य की सुंदरता देख नहीं पाते। इसी सत्य की शक्ति के स्वरूप हजारी प्रसाद द्विवेदी अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में लिखते हैं, 'सत्य के लिए, किसी से भी न डरना, गुरु से भी नहीं, मंत्र से भी नहीं, लोक से भी नहीं, वेद से भी नहीं।' यह डर ही हमको बहुत सी बातें ना कहने के लिए विवश करता है कि चुप रहो। यह चुप रहना ही धीरे-धीरे चुप्पियों का बड़ा रूप ले लेता है और हमारे अंदर डर का एक मकड़जाल बन जाता है। हम यथार्थ से भागने लगते हैं।

बढ़ रही हैं जीवन में चुप्पियांः वर्तमान दौर में मोबाइल और इंटरनेट जैसी तकनीकी ने भी हमें चुप्पी और संवादहीनता की ओर बढ़ाया है। परिवार में हर कोई इन्हीं में व्यस्त रहता है। जहां संवाद नहीं वहां जीवन और समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। प्रसिद्ध संत तरुण सागर कहते हैं, 'समाज, परिवार और आपसी संबंधों से कभी संवाद बंद मत करो। जिस दिन आपने संबंधों में बोलना बंद किया, उस दिन से आपके संबंध धीरे-धीरे टूटना शुरू हो जाएंगे। इसलिए बोलना कभी बंद मत करना।' *

गजल
वसीम अहमद

करार आने लगा है

जो कुछ-कुछ एतबार आने लगा है
तो इस दिल को करार आने लगा है
जैसे-जैसे है उनसे अपनत्व जागा
मुसलसल उनपे प्यार आने लगा है
कि जब से घर में दर्पण आ गया है
उन्हें करना सिंगार आने लगा है
परस्पर दिल्लगी जब से बढ़ी है
तो रिश्तों में सुधार आने लगा है
हूं जब से उनको अपना मान बैठा
मेरे दिल को करार आने लगा है।
निगाहों को निगाहें पढ़ रही हैं
मुसलसल एतबार आने लगा है

व्यंग्य
सूर्यकुमार पांडेय

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो।

निलंबन में मजा है

वह सरकारी काम, काम नहीं होता, जो लंबित न रहे और वह सरकारी अफसर, अफसर नहीं, जो नौकरी में एक-दो बार निलंबित न रहे। सस्पेंड होना बुरा नहीं है। बुरा होता है, निलंबित होकर फटाफट बहाल हो जाना। निलंबित हुए बिना महंगाई भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता आदि बहुत सारे भत्ते मिल सकते हैं, मगर निलंबन भत्ता नसीब नहीं हो सकता।

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो। मेरे एक डॉक्टर मित्र हैं। अपने सीनियर अफसर से जान-बूझकर पंगा ले बैठे। सस्पेंड हो गए। अब शान से प्राइवेट प्रैक्टिस झाड़ रहे हैं। विभाग ने हर मुमकिन कोशिश की कि वह बहाल हो जाएं, वह खुद ही मुकर गए। सस्पेंशन रस का स्वाद उनके मुंह लग चुका है।

वह जानते हैं, सरकार दयालु है। एक-न-एक दिन पाई-पाई जोड़कर बुढ़ापे के वक्त उनकी चारपाई पर धर जाएगी। अब वह अपने उसी सस्पेंडक सीनियर अफसर को मासिक रूप से बंधी रकम पहुंचाते हैं। इसलिए नहीं कि बहाल हो जाएं, बल्कि इसलिए कि निलंबन बरकरार रहे। इस भांति दोनों सुखी और संपन्न हैं। डॉक्टर साहब की प्राइवेट प्रैक्टिस चल रही है, बड़े साहब की पब्लिक प्रैक्टिस। पारस्परिक सद्भावना सुदृढ़ है। जनसेवा और राजसेवा साथ-साथ चलायमान हैं।

मेरे एक और मित्र बड़े अफसर हैं। ऊंची पकड़ के चलते बरसों से एक ही जिले में अटके हुए हैं। उनके पास तरह-तरह के तिकड़मी डंडे हैं। पर वह पूरे जिले को एक ही डंडे से हांकते हैं। स्वभाव से मृदु हैं। अंदाज दोस्ताना है। मैं अकसर वार्तालाप की तलब उठने पर अपनी शामें जाया करने उनके सरकारी अजायब खाने पर पहुंच जाया करता हूं।

उस रोज गया, तो उनका चपरासी चौंकता हुआ बोला, 'अरे, आपको नहीं मालूम, अपने साहब तो हसबैंड होइ गए!'

अब चौंकने की बारी मेरी थी। मैं जानता था, साहब कुंआरे हैं। न सगाई, न न्यौता, न दावत!

यह साहब हसबैंड कब हो गए? दिमाग पर जोर डाला, तो समझ में आया कि यह साहब हसबैंड नहीं, सस्पेंड हो गए हैं। और सच भी यही है, हसबैंड ओर सस्पेंड होने में कोई खास फर्क नहीं होता। ये दोनों ही हो जाने के बाद आमदनी का एक हिस्सा किसी और की भेंट हो जाया करता है। तब कमाई के नए जरिए तलाशने ही पड़ जाते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी लघुकथाएं

अलका 'सोनी' की लघुकथाएं और कविताएं पत्र-पत्रिकाओं में छपती रहती हैं। सरल-सहज लहजे में वे जीवन की सूक्ष्म संवेदनाओं को अपने लेखन में व्यक्त करती हैं। हाल में छपकर आए उनके लघुकथा संग्रह 'हवा में बनती हैं नई जगहें' की लघुकथाओं में भी इसकी बानगी देखी जा सकती है। 'टूटा तारा' लघुकथा के जरिए लेखिका ने शहरी जीवनशैली की विडंबनाओं और उसके फलस्वरूप नई पीढ़ी की प्रकृति से बढ़ती दूरी को मार्मिक तरीके से उभारा है। इसी तरह 'जिंदगी का डिस्काउंट' लघुकथा में भी आधुनिक जीवनशैली में बिसरती जा रही खुशी और अपनेपन की परिभाषा पर प्रभावी तरीके से कटाक्ष किया गया है। 'पापा का कोना' लघुकथा भी बहुत हौले से हमारी निर्जीव होती जा रही संवेदना को स्पर्श करती है। इसमें नई पीढ़ी फादर्स डे मनाने के लिए इस कदर उत्साहित होती है कि उसे पुरानी पीढ़ी के अपने पिता ही सेलिब्रेशन में मिसफिट लगने लगते हैं और उनको किसी कोने में बैठने को कह दिया जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि ये लघुकथाएं, हमें हमारे समय का प्रतिबिंब, बगैर किसी लाग-लपेट के दिखाने में सक्षम हैं। *

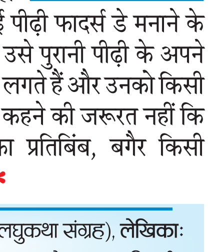

पुस्तकः हवा में बनती हैं नई जगहें (लघुकथा संग्रह), **लेखिकाः** अलका सोनी, **मूल्यः** 150 रुपए, **प्रकाशकः** मेधा बुक्स, दिल्ली

प्राचीन-अनूठी बादामी गुफाएं

कर्नाटक राज्य के उत्तरी भाग के बागलकोट जिले में ऐतिहासिक बादामी नगर में स्थित हैं बादामी गुफाएं और मंदिर। इन गुफाओं का न केवल पौराणिक बल्कि ऐतिहासिक महत्व भी है। इन गुफाओं में मौजूद प्रतिमाएं चालुक्य वंश की शिल्पकला का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करती हैं, जो इतिहासप्रेमी पर्यटकों को मोहित कर लेती हैं।

दर्शनीय स्थल
जगत नारायण भारद्वाज

अगर आप इतिहासप्रेमी पर्यटक हैं तो आपको एक बार कर्नाटक के बादामी नगर में स्थित प्राचीन गुफाओं और मंदिरों को जरूर देखना चाहिए। इन गुफा-मंदिरों में मौजूद प्रतिमाएं, छठी-सातवीं सदी में यहां शासन करने वाले चालुक्य शासकों के दौर की उत्कृष्ट शिल्प कला का प्रमाण प्रस्तुत करती हैं।

पौराणिक मान्यता: पौराणिक मान्यता के अनुसार कर्नाटक का बादामी नगर, महाभारतकालीन असुर राजा वातापी की राजधानी हुआ करती थी। पौराणिक काल के विंध्याचल पर्वत के दक्षिण में स्थित इस दंडकवन में अगस्त्य ऋषि और लोपामुद्रा वास किया करते थे। यहीं पर वातापी और इलविल दो भाई अपनी संजीवनी विद्या का दुरुपयोग करके ऋषि-मुनियों को तंग करते और कई बार उन्हें मार भी देते थे। एक बार अंजाने में इन दोनों भाइयों ने अगस्त्य ऋषि पर भी आघात करना चाहा। इस पर अगस्त्य ऋषि ने अपने तपोबल से वातापी को उदरस्थ कर नष्ट कर दिया और दंडक वन को उनके अत्याचारों से मुक्त कर दिया। तभी से इसे अगस्त्य तीर्थ भी कहा जाने लगा।

ऐतिहासिक महत्ता: सन 547-757 तक बादामी नगर, चालुक्यवंशी राजाओं की राजधानी रही है। यहां के पराक्रमी सम्राट पुलकेशिन द्वितीय ने ही उत्तर भारत के सम्राट हर्षवर्धन को पराजित किया था। इसी सम्राट पुलकेशिन के पुत्रों मंगलेश और कीर्तिवर्मन ने यहां के पर्वतों को काटकर गुफा और मंदिरों का निर्माण कराया था। वही प्राचीन गुफाएं और मंदिर, बादामी गुफाओं के नाम से प्रसिद्ध हैं।

मौजूद हैं प्राचीन प्रतिमाएं: यहां प्रमुख रूप से चार गुफाएं हैं। इन 4 गुफाओं में पहली गुफा हिंदू देवी-देवताओं को समर्पित है, जिसे नटराज गुफा कहा जाता है। इसमें अर्धनारीश्वर, हरिहर रूप और 18 भुजाओं वाली नटराज की प्रतिमा है, जो देश में अन्यत्र नहीं है। नटराज की मूल प्रतिमा, जो तमिलनाडु के चिदंबरम में है, में भी 16 हाथ हैं। इस गुफा में एक मूर्ति ऐसी भी है, जिसे एक ओर से ढंकने पर हाथी और एक ओर से ढंकने पर नंदी की प्रतिमा दिखाई देती है। इन गुफाओं की एक विशेषता यह भी है कि यहां पर प्रतिमाओं के साथ ही शिल्पकारों के नामों को भी उकेरकर उन्हें अमर कर दिया गया है।

एक अन्य गुफा भगवान विष्णु को समर्पित है। इस गुफा में भूदेवी के साथ वराह और वामन अवतार की विशाल प्रतिमाएं बनी हैं। समुद्रमंथन, कृष्णलीला और अन्य पौराणिक आख्यानों के दृश्य भी बहुत सुंदरता से इस गुफा में उकेरे गए हैं। गुफाओं के विशाल स्तंभों पर सुंदर और महीन कलात्मक कारीगरी की गई है। ये कलाकारी इतनी मोहक है कि जिन्हें स्थानीय साड़ियों के निर्माता भी ऐसी डिजाइन की साड़ियां बनवाते हैं। गुफा की ऊपरी छत पर ऐसे स्वास्तिक बने हैं, जिनका प्रारंभ और अंत का भी आभास नहीं होता है। आपने शेषनाग पर शयन करते भगवान विष्णु की प्रतिमा तो देखी होगी लेकिन शेषनाग पर विराजित भगवान विष्णु की प्रतिमा आप यहीं पर देख पाएंगे। यहां 578 ईसवी में निर्मित कन्नड़ लिपि में लिखा गया एक शिलालेख भी है। इसमें मंगलेश द्वारा एक गांव को दान में दिए जाने का उल्लेख है। तीसरी गुफा भी भगवान शिव को समर्पित की गई है। जबकि चौथी गुफा में जैन तीर्थंकरों की विशाल मूर्तियां बनी हैं। इसमें भगवान वर्धमान, महावीर, पार्श्वनाथ तथा बाहुबली की सुंदर प्रतिमाएं सुशोभित हैं।

कुछ ऐसे प्रमाण भी मिलते हैं कि चालुक्य वंश के शासकों ने पहले शैव, वैष्णव और फिर जैन पंथ को अपनाया। इसीलिए इन गुफाओं में इनकी प्रतिमाएं देखने को मिलती हैं। यह प्राचीन काल में धार्मिक समन्वय का सशक्त उदाहरण है। शाम के समय में इन गुफाओं की शोभा देखते ही बनती है। इन गुफाओं के कारण ही बादामी नगर विश्व में प्रसिद्ध हुई है। यह स्थल पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है।

अन्य दर्शनीय स्थल: इन बादामी गुफाओं के नीचे अगस्त्य तालाब के दाहिनी ओर आगे चलने पर खंडहरों के प्रतीक आज भी मिलते हैं। यहां पर अनेक चलचित्रों का फिल्मांकन भी हुआ है। गुफाओं के नीचे आने पर अगस्त्य तालाब के किनारे प्राचीन सूर्य मंदिर है। तालाब के एक कोने पर भगवान शिव को समर्पित द्रविड़ शैली में बना भूतनाथ मंदिर समूह है, जिसे 7वीं सदी में बादामी चालुक्यों द्वारा बनवाया गया था। यहां 12वीं सदी में कल्याणी चालुक्यों द्वारा मल्लिकार्जुन मंदिर समूह का निर्माण कराया गया था। भगवान विष्णु और शिव को समर्पित यह मंदिर भी पर्यटकों को आकर्षित करता है। इनके निर्माण की शिल्पकला में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है। पास में ही एक भैरव मंदिर है, जिसकी चट्टान पर कई पौराणिक चित्र उकेरे गए हैं। यहीं से चार किमी की दूरी पर बादामी चालुक्यों की कुलदेवी बनशंकरी देवी का मंदिर है, जिसे मां पार्वती का अवतार माना जाता है। इसकी स्थापना अगस्त्य ऋषि ने की थी। मंदिर के पास में ही दर्शनार्थियों के ठहरने की व्यवस्था भी है। यहां गर्मी के मौसम को छोड़कर पूरे वर्ष में कभी भी जाया जा सकता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / अतुल मलिकराम

फील्ड कोई भी हो, बतौर टीम लीडर काम करने की ख्वाहिश प्रायः सभी को होती है। लेकिन टीम लीडर के रूप में सक्सेसफुल होने के लिए अपने काम में एक्सपर्ट होने के साथ ही आपके अंदर कुछ लीडरशिप क्वालिटीज का होना भी जरूरी है। क्या हैं वो क्वालिटीज, जानिए।

ये क्वालिटीज बनाएंगी सक्सेसफुल टीम लीडर

महात्मा गांधी की इस उक्ति 'आप खुद के भीतर वह बदलाव लाएं, जो आप लोगों में देखना चाहते हैं।' को अच्छे लीडरशिप के सबसे महत्वपूर्ण गुणों में से एक के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है। एक अच्छे लीडर में कुछ मूलभूत गुणों का होना आवश्यक है। आत्मविश्वास, संचार कौशल, दूरदर्शिता, निर्णय क्षमता, ईमानदारी आदि गुणों की अपेक्षा एक टीम लीडर से की जाती है। एक अच्छा लीडर ऐसे निर्णय लेता है, जो उसकी टीम या संगठन के हित में हो।

पॉजिटिव एटिट्यूड: एक टीम लीडर के रूप में जरूरी है कि आप अपना एटिट्यूड हमेशा पॉजिटिव रखें। आप अपने टीम मेंबर्स को आगे बढ़ने में हमेशा मदद करें। आपके डिसिजंस ऐसे होने चाहिए, जिसे आपकी टीम बेझिझक स्वीकार करती हो। एक अच्छे टीम लीडर के रूप में आपको अपनी टीम की हर जरूरत की जानकारी होनी चाहिए। साथ ही टीम मेंबर्स के हार्ड वर्क और अचीवमेंट्स के लिए उन्हें रिवॉर्ड भी जरूर देना चाहिए। एक टीम लीडर के रूप में विश्वास रखें कि आपकी टीम मजबूत है, यहां हर कोई अपनी भूमिका अच्छे से निभाना जानता है और अपना टार्गेट अचीव करने की क्षमता रखता है।

बढ़ाएं टीम मेंबर्स का हौसला: एक अच्छे टीम लीडर को चाहिए कि वह अपने टीम मेंबर्स को, अपने कुलीग्स को हमेशा मोटिवेट करता रहे। आगे बढ़कर नेतृत्व करने का गुण या सार्थक नेतृत्व हमेशा ही लीडर की परछाई के समान साथ-साथ चलता है। एक लीडर के रूप में आपका पॉजिटिव बिहेवियर और लीडरशिप टीम मेंबर्स को अधिक गहराई से और पूरी तरह से बदलने की ताकत रखता है। यदि आप चाहते हैं कि आपकी टीम अधिक सकारात्मक हो, तो सबसे पहले आपको सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। यदि आप चाहते हैं कि टीम मेंबर्स अपने काम को बिना किसी गलती के बेहतरी से पूरा करें, तो आपको उनके ऊपर विश्वास रखना होगा और उनके भीतर आत्मविश्वास जगाना होगा। उनकी कम्युनिकेशन स्किल्स और अपीयरेंस आदि पर विशेष तौर पर ध्यान दें और बेझिझक उन्हें सही सलाह देते रहें। साथ ही आपको चाहिए कि आप उनकी मदद करें और उनका हौसला बढ़ाते रहें।

स्वयं बनें उदाहरण: अगर आप चाहते हैं कि आपके टीम मेंबर्स समय से कार्यस्थल पर आएं और अपना हर काम समय पर पूरा करें, तो पहले आपको स्वयं समय से पहले या समय से वर्कप्लेस पर आने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें वक्त की पाबंदी के फायदे बताएं। अपना और अपनी सफलता का उदाहरण देकर उन्हें समझाएं। याद रखिए, सफल नेतृत्व के तीन सबसे कारगर सिद्धांत हैं- उदाहरण, उदाहरण और उदाहरण। आप अपनी टीम के लिए कितना बड़ा और प्रभावी उदाहरण बन सकते हैं या पेश कर सकते हैं, यह आप पर निर्भर करता है। लेकिन यकीन मानिए, आपके ऐसा करने का आपकी टीम पर बहुत पॉजिटिव इफेक्ट पड़ेगा। *

चिंता / के.पी. सिंह

विलुप्ति की कगार पर सोन चिरैया

सोन चिरैया यानी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, भारत के समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा रही है। यह पक्षी मुख्य रूप से राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात के कच्छ क्षेत्र में और कर्नाटक व आंध्र प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में पाए जाते हैं। कभी बहुतायत में पाई जाने वाली सोन चिरैया धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर है।

अनोखी शारीरिक संरचना: सोन चिरैया का वैज्ञानिक नाम 'अर्देवोटिस निग्रिसेप्स' है। इसे हिंदी में सोन चिरैया, मराठी में माढोक और राजस्थानी में गोडावण कहते हैं। सोन चिरैया लगभग एक मीटर ऊंची होती है, इनमें नर का वजन आमतौर पर 11 से 15 किलो होता है, जबकि मादा 4 से 7 किलो की ही होती है। इसके सिर के ऊपरी भाग में एक काली टोपी नुमा संरचना होती है। गर्दन स्पष्ट रूप से भूरे रंग की होती है। यह मानसून के दौरान प्रजनन करती है। नर सोन चिरैया में प्रजनन काल के दौरान गले पर पाउच जैसी संरचना उभर आती है। नर, मादा को बुलाने के लिए अपने पाउच से एक विशेष किस्म की आवाज निकालता है। सोन चिरैया सुबह और शाम के समय सक्रिय रहती है। दिन के समय यह प्रायः निष्क्रिय रहती है।

अत्यंत संकटग्रस्त: चिंताजनक बात यह है कि गीतों, कविताओं और लोककथाओं की शान रही भारत की यह खास चिड़िया लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई है। आईयूसीएन की रेड डाटा लिस्ट में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को अत्यंत संकटग्रस्त प्रजाति की श्रेणी में रखा गया है।

लुप्त होने के कारण: सोन चिरैया के लुप्त होने के अनेक कारण हैं। पहले इसका आवास घास के मैदानों और खेतों के बीच होता था, लेकिन अब घास के मैदान और खेत कम होने से इसके आवास की समस्या पैदा हो गई है। एक कारण यह भी है कि यह साल में केवल एक अंडा देती है और उसे भी जमीन पर देती है, जिसे आमतौर पर कुत्तों, लोमड़ियों या अन्य पशुओं द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। अपनी कमजोर दृष्टि के कारण ये कांटों, बिजली के तारों आदि में फंसकर मरे जाते हैं।

संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास: सोन चिरैया के संरक्षण के लिए आईयूसीएन, केंद्र एवं राज्यों द्वारा विभिन्न स्तरों पर अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। मसलन, इसके शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। जैसलमेर के सुधासरी और रामदेवरा में इन्हें सुरक्षित आवासों में रखकर प्रजनन करवाया जाता है। इन सबके अलावा एनजीओ, वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय के लोग भी सोन चिरैया के संरक्षण के लिए प्रयासरत हैं। *

लाइफस्टाइल / शिखर चंद जैन

बेहतर शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। इसीलिए दुनिया भर में लोग अच्छी नींद के लिए तरह-तरह की तरकीबें अपनाते हैं।

अच्छी नींद के लिए अजब-गजब उपाय

कई शोध ऐसे हो चुके हैं, जिनमें अच्छी नींद को मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए बेहद जरूरी बताया गया है। अच्छी नींद के लिए चिकित्साविज्ञानी तरह-तरह के उपाय भी बताते रहे हैं, जैसे अंधेरे कमरे में सोना, ठंडे बेडरूम में सोना, बेड टाइम पर स्क्रीन से दूर रहना, रेग्युलर एक्सरसाइज करना आदि। लेकिन इन सब से हटकर दुनिया के विभिन्न देशों में लोग अच्छी नींद के लिए कुछ अलग तरह के उपायों को भी अपनाते हैं।

सोने से पहले पैर धोना: चीन में अच्छी, लंबी और गहरी नींद के लिए लोग गर्म पानी में पैर डुबोते हैं और एक्सफोलिएशन भी करते हैं। इससे हाइजीन के साथ-साथ ब्लड सर्कुलेशन भी दुरुस्त होता है और ब्लड वेसल्स भी ब्लॉक नहीं होती हैं। पैर गर्म रहने और बॉडी टेंपरेचर कम होने से नींद जल्दी आती है। यहां कुछ लोग फुट मसाज और स्पा ट्रीटमेंट लेते हैं। अरोमाथेरेपी लेते हैं और पैरों में गरम तौलिया भी लपेटते हैं। इससे उनकी दिन भर की थकान दूर हो जाती है और सुकून की नींद आती है।

कपल्स लेते हैं स्लीप डाइवोर्स: अमेरिका में अच्छी नींद के लिए कपल्स स्लीप डाइवोर्स का आइडिया अपनाते हैं। इसके तहत पार्टनर अलग-अलग बेड पर सोते हैं। कई कपल तो अलग-अलग रूम में भी सोते हैं ताकि नींद में खलल न पड़े।

पेट्स के साथ सोना: एक सर्वे के मुताबिक कनाडा के डॉग ऑनर्स में से कम से कम 75 फीसदी लोग अपने कुत्ते के साथ बेडरूम में सोना पसंद करते हैं, जबकि बिल्ली पालने वालों में से कम से कम 50 फीसदी लोग बिल्लियों को साथ लेकर सोते हैं। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूके में कम से कम 65 फीसदी लोग अपने पालतू के साथ सोते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि अपने पालतू पशुओं के साथ सोने से अच्छी और बेफिक्र नींद आती है। यूनिवर्सिटी आफ टोरंटो में इवोल्यूशनरी एंथ्रोपोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डेविड सैमसंग कहते हैं कि डॉग का साथ इंसान को सुरक्षा का एहसास देता है। यही वजह है कि अपने पेट डॉग के साथ लोग निश्चिंत और बेफिक्र होकर सोते हैं।

तकिए के नीचे डॉल रखकर सोना: ग्वाटेमाला में पुरानी परंपरा है कि लोग अपने तकिए के नीचे एक छोटी-सी डॉल रखकर सोते हैं, जिसका नाम है- वरी डॉल। मान्यता है कि वरी डॉल लोगों की चिंता या डर को दूर करती है। इससे उन्हें काफी कंफर्ट महसूस होता है। कई मनोवैज्ञानिकों और स्लीप एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए अध्ययन में पता चला है कि इन वरी डॉल्स की उपस्थिति से लोगों का एंजायटी लेवल काफी कम हो जाता है, जिससे उन्हें अच्छी नींद आती है। *

हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मैडी के नाम से पॉपुलर एक्टर आर. माधवन की रोमांटिक फिल्म 'आप जैसा कोई' 11 जुलाई को रिलीज हो रही है। इस अलग-सी रोमांटिक फिल्म को उन्होंने क्यों एक्सेप्ट किया? इसके लिए उन्हें कैसी तैयारियां करनी पड़ीं? इस फिल्म, करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें आर. माधवन से।

मनोरंजन का कामयाब जरिया बन गया है ओटीटीः आर. माधवन

मुलाकात / पूजा सामंत

आर. माधवन हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में समान रूप से एक्टिव हैं। वे एक अच्छे एक्टर होने के साथ-साथ सहज, मिलनसार और डाउन टु अर्थ इंसान भी हैं। वर्ष 2001 में रिलीज 'रहना है तेरे दिल में' बतौर लीड एक्टर माधवन की पहली हिंदी फिल्म थी। हमेशा चुनिंदा फिल्मों में नजर आने वाले माधवन, नेटफ्लिक्स की रोमांटिक फिल्म 'आप जैसा कोई' में फातिमा सना शेख के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म को निर्देशित किया है विवेक सोनी ने। पेश है आर. माधवन से इस फिल्म और करियर पर हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

आपकी फिल्म 'आप जैसा कोई' रिलीज हो रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताइए। इस रोमांटिक फिल्म को करने के पीछे क्या वजह रही?

लेखक-निर्देशक विवेक सोनी ने जब मुझे फिल्म की कहानी सुनाई तो मुझे इस प्रेम कहानी का अनोखापन बहुत पसंद आया। प्रेम के रिश्ते में लड़का-लड़की दोनों एक ही लेवल पर होते हैं। न लड़का खुद को ग्रेट समझे, न लड़की। यह इक्कीसवीं सदी की प्रेम कहानी है। बिल्कुल इस दौर की कहानी। प्रेम के रिश्ते में लड़की अगर प्यार की पहल करे तो क्या बुराई है? फिल्म का हीरो यानी मैं संस्कृत सिखाने वाला प्रोफेसर हूं। मेरी शादी 40 की उम्र तक नहीं होती है। मेट्रीमोनियल वेबसाइट पर मेरी मुलाकात एक युवती (फातिमा सना शेख) से होती है, जो काफी मॉडर्न खयालात की है। उसे मेरे घर के लोग मना कर देते हैं। फिर क्या होता है? क्या हमारा रिश्ता आगे बढ़ता है? इसके इर्द-गिर्द फिल्म की कहानी घूमती है। मुझे यह प्लॉट, मेरा किरदार (श्रीरेणु) सब बहुत पसंद आया।

श्रीरेणु का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारियां करनी पड़ीं?

मेरी रियल एज 55 साल है। लेकिन फिल्म में मेरा किरदार श्रीरेणु 40 के आस-पास का है। मुझे अपनी उम्र से 15 वर्ष कम का दिखना था। इसके लिए मैंने जिम जाकर काफी वर्कआउट किया। स्क्रीन पर उम्र कम दिखे इसलिए मुझे अपनी दाढ़ी हटानी पड़ी, क्लीन शेव रखनी पड़ी। हालांकि मैं अपना दाढ़ी वाला लुक बदलना नहीं चाहता था। मेरे लिए यह बड़ा बदलाव था। फिल्म में मेरे कैरेक्टर की साइकोलॉजी को समझना था। कुल मिलाकर मुझे इस कैरेक्टर के लिए खुद को तैयार करने में काफी मेहनत करनी पड़ी।

'आप जैसा कोई' के एक दृश्य में आर. माधवन और फातिमा सना शेख

इस फिल्म में अधेड़ उम्र के पुरुष का प्यार दिखाया गया है। आपकी नजर में क्या समाज ऐसे प्यार को स्वीकार करता है?

समाज का क्या है, वो तो हर कंडीशन में कुछ न कुछ कहता ही रहता है। दंपति में उम्र का फासला ज्यादा हो तो दिक्कत, उम्र एक सी हो दोनों की तो भी कहने वाले कहते रहेंगे, पति-पत्नी की हाइट में बहुत फर्क हो तो भी कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। लेकिन मेरा मानना है कि अब सामाजिक परिवर्तन हो रहा है, स्वीकार्यता बढ़ रही है।

सुना है, 'आप जैसा कोई' फिल्म की शूटिंग के दौरान आप जमशेदपुर स्थित अपने पुश्तैनी घर भी गए थे, कैसा रहा वहां जाने का अनुभव?

जमशेदपुर में मेरा जन्म हुआ था। कई वर्षों तक मेरा वहां जाना नहीं हुआ। जब इस फिल्म की शूटिंग उस इलाके (हुगली) में हो रही थी तो मैं टाइम निकालकर अपने पुश्तैनी घर जमशेदपुर गया। बचपन में जो घर मुझे बहुत बड़ा लगता था, इस बार छोटा नजर आया। जो लोग मेरे पड़ोस में थे, अब उनमें से शायद ही कोई वहां था। मैंने वहां आइसक्रीम, स्वीट्स को एंज्वॉय किया। अपने पुराने घर की ढेर सारी यादों को साथ लेकर मैं वापस आया।

आपने टीवी से डेब्यू किया था। फिर आपने साउथ, हिंदी, अंग्रेजी फिल्मों में काम किया। और अब 'आप जैसा कोई' फिल्म से आप ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंट्री कर रहे हैं। इस बारे में क्या कहना चाहेंगे आप?

सभी जानते हैं, ओटीटी आज के दौर में मनोरंजन का बेहद कामयाब जरिया है। यहां फिल्में भी आती हैं, डॉक्यूमेंटरी सीरीज और वेब सीरीज भी। अब कलाकारों के लिए यह मायने नहीं रखता कि वे किस प्लेटफॉर्म के लिए काम करते हैं। अच्छे मौके आए तो बॉलीवुड क्या, हॉलीवुड क्या, ओटीटी क्या और टीवी क्या? किस माध्यम के लिए मैं कंटेंट बना रहा हूं यह मेकर को अहसास हो, तो वो उस माध्यम का लाभ उठाकर उम्दा कंटेंट दे सकता है। बहरहाल, मैं इस वर्ष बड़े परदे यानी सिनेमा के लिए भी काम कर रहा हूं। 'दे दे प्यार दे 2' और 'धुरंधर' मेरी दो फिल्में इसी वर्ष रिलीज होंगी। *

● मैं ये सब नहीं कर सकता

आर. माधवन इतनी अच्छी एक्टिंग कर लेते हैं लेकिन क्या कुछ ऐसे काम भी हैं, जो वह नहीं कर सकते? पूछने पर वह बताते हैं, 'मैं फूडी हूं इसलिए डाइटिंग नहीं कर सकता। मुझे आंकड़ों से नफरत है। मैं अपने फाइनेंसियल मैटर्स को मैनेज नहीं कर सकता, मेरी पत्नी सरिता यह काम संभालती हैं। सरिता ने मुझे क्रेडिट कार्ड दे रखा है। मैं अपने जरूरी खर्चे क्रेडिट कार्ड से चला लेता हूं। कैश खोने का डर रहता है। मेरे जितने भी बैंक अकाउंट्स हैं, वो सरिता के नाम पर हैं। मेरी हमसफर के अलावा वो मेरी कैशियर, बैंक मैनेजर भी है।'